सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com swarajindianews swarajindianews

दैनिक सांध्यकालीन

स्वराज इंडिया

कानपुर, शुक्रवार, 31 अक्टूबर, 2025
वर्षः 02, अंकः 289, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

इनसाइड सरदार पटेल की जयंती पर बिल्हौर में दौड़ा उत्साह... » Pg04

» Pg12

लौह पुरुष ने कहा था- देश की अखंडता संग खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं :सीएम योगी

न आतंकी, न बदमाश! क्यों बना रोहित आर्या किडनैपर?

आरए स्टूडियो बंधक कांड की इनसाइड स्टोरी में छिपा है महाराष्ट्र सरकार पर दो करोड़ का बकाया

» पूर्व स्कूली शिक्षा मंत्री दीपक केसरकर बोले- मेरा नाम यूं ही घसीटा जा रहा।

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

मुंबई। मुंबई के पवई इलाके में आरए स्टूडियो बंधक कांड में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। रोहित आर्या (49) नामक व्यक्ति ने एक डॉक्यूमेंट्री के ऑडिशन के बहाने 17 बच्चों समेत कुल 20 लोगों को बंधक बना लिया। उसने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर बताया कि उसका इरादा आत्महत्या करने का था, लेकिन वह मरने की बजाय अब इस तरीके से कुछ बड़ा करने की सोच रहा है। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि मुख्य आरोपी आर्या ने महाराष्ट्र सरकार से 2 करोड़ रुपये वसूलने के लिए बच्चों को बंधक बनाया था। कथित तौर पर आर्या ने महाराष्ट्र के पूर्व शिक्षा मंत्री दीपक केसरकर के कार्यकाल के दौरान स्कूल शिक्षा विभाग के लिए एक परियोजना के लिए काम किया था, लेकिन इसके पैसे उसे अभी तक नहीं मिले थे।

हालांकि महाराष्ट्र सरकार ने कहा कि रोहित आर्या का शिक्षा विभाग से कोई संबंध नहीं था। शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया कि रोहित आर्या या उनकी संस्था का महाराष्ट्र शिक्षा विभाग से कोई आधिकारिक संबंध नहीं था, न ही उन्हें कोई मंजूरी मिली थी। यह बयान पूर्व मंत्री दीपक केसकर के दावों के विपरीत है, जबकि केसकर ने आर्या के प्रोजेक्ट को सरकारी योजना से जोड़ा था।

क्यों उठाया ये कदम?

बताया जा रहा है कि पुणे निवासी रोहित आर्या पिछले कई महीनों से गहरी आर्थिक और मानसिक परेशानी में था। एक साल पहले उसने महाराष्ट्र सरकार की 'मुख्यमंत्री माझी शाला सुंदर शाला योजना' के तहत 'स्वच्छता मॉनिटर' नामक एक प्रोजेक्ट पर काम किया था। इस प्रोजेक्ट के लिए उसने अपना घर और गहने तक बेच दिए थे। कथित तौर पर इस प्रोजेक्ट के करीब दो करोड़ रुपये का भुगतान राज्य सरकार से न मिलने पर वह पूरी तरह से टूट गया था।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, रोहित आर्या ने पहले भी कई बार अधिकारियों का ध्यान अपनी बकाया राशि की ओर आकर्षित करने के लिए इस मुद्दे को उठाने की कोशिश की थी, दफ्तरों के चक्कर काटे, लेकिन पैसा नहीं मिला। गुरुवार को बंधक बनाए जाने के इस नाटक के दौरान उसने एक वीडियो संदेश जारी कर कहा था कि, मैं न आतंकवादी हूं और न ही पैसे मांग रहा हूं। मैं कुछ लोगों से बात करना चाहता हूं। उसे आत्महत्या के लिए मजबूर किया गया था, लेकिन अपनी जान लेने के बजाय, वह यह सब कर रहा है।

पुलिस ने बताया कि आरए स्टूडियो में बंधक बनाए गए बच्चों की उम्र 8 से 15 वर्ष के बीच थी। वे स्टूडियो में ऑडिशन के लिए गए थे। बच्चों को बंधक बनाए जाने की सूचना मिलते ही पवई और आसपास के पुलिस थानों की टीमें मौके पर पहुंचीं। पहले रोहित आर्या को समझाने का प्रयास किया गया और जब वह नहीं माना तो त्वरित प्रतिक्रिया टीम के आठ कमांडो को बाथरूम के रास्ते ऑडिशन रूम में भेजा गया और सभी बंधकों को सुरक्षित बचा लिया गया। जवाबी कार्रवाई में चली पुलिस की गोली उसकी छाती पर लगी, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

बैंक में कार्यरत है पत्नी

एक सामाजिक कार्यकर्ता के अनुसार रोहित ने पिछले साल अगस्त में इसी मुद्दे पर आमरण अनशन किया था। सरकारी विभागों से शिकायतें और तब के शिक्षा मंत्री दीपक केसरकर से आश्वासन मिलने के बावजूद उसे भुगतान नहीं हुआ। धीरे-धीरे वह गहरे अवसाद में चला गया। रोहित की पत्नी आईसीआईसीआई बैंक में कार्यरत हैं।

इस मामले पर महाराष्ट्र के पूर्व स्कूली शिक्षा मंत्री दीपक केसरकर ने स्पष्ट किया कि उनका नाम बेवजह घसीटा जा रहा है। रोहित आर्या को सरकारी अभियान के तहत ठेका दिया गया था। हालांकि, उन्होंने कुछ प्रत्यक्ष मौद्रिक लेन-देन किए। उन्हें विभाग से बात करनी चाहिए थी और मामला सुलझाना चाहिए था, क्योंकि वे सरकारी काम कर रहे थे। ऐसी आधिकारिक प्रक्रियाओं में कुछ प्रोटोकॉल होते हैं, समय लगता है। हम सभी को निर्धारित मानदंडों के तहत काम करना पड़ता है। लेकिन लोगों को बंधक बनाना कोई समाधान नहीं है।

ऑल इंडियन सिने वर्कर्स एसोसिएशन की मांग

मुंबई के पॉवई इलाके में स्थित रा स्टूडियो से हाल ही में सामने आया अपहरण कांड ने पूरे फिल्म जगत को झकझोर कर रख दिया है। इस घटना ने इंडस्ट्री की सुरक्षा व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ऑल इंडियन सिने वर्कर्स एसोसिएशन ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए इसे बॉलीवुड के इतिहास का सबसे चिंताजनक मामला बताया है। संगठन के अध्यक्ष सुरेश श्यामलाल गुप्ता ने राज्य सरकार से तत्काल उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। उनका कहना है कि बिना किसी वैध अनुमति के इतने बड़े स्टूडियो परिसर में फर्जी ऑडिशन कैसे आयोजित किए जा सकते हैं? उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि आयोजकों को कलाकारों के व्यक्तिगत डेटा और संपर्क जानकारी आखिर कहां से मिली।

बड़ा खुलासा

खुद को बताती थी आशा, निकली आंगनबाड़ी सहायिका

नौकरी सहित शादी कराने का झांसा देकर चल रहा था धर्मांतरण का खेल

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

कालीन की नगरी जौनपुर में धर्मांतरण के खेल का खुलासा होने के बाद अब पीड़ित भी सामने आने लगे हैं। वह उनकी करतूत को भी उजागर करने लगे हैं। कोतवाली क्षेत्र के बंजारेपुर के लखई राम ने तहरीर देकर सरकी गांव की गीता देवी, रंजना, सोनू और विजय कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। आरोप है कि ये लोग सुंदर लड़की से शादी कराने से लेकर नौकरी दिलाने तक का झांसा देते थे। लखई राम की ओर से दी गई तहरीर में आरोप है कि गीता देवी, अपनी बेटी रंजना कुमारी, गांव के ही सोनू और विजय कुमार धर्म परिवर्तन कराते हैं। ये लोग गांव और आसपास के गरीब व एससी-एसटी लोगों को लालच देते थे। कहते थे कि यदि वह लोग ईसाई धर्म को अपना लेते हैं तो उन लोगों को दवाई-पानी का पैसा मिलेगा।

वहीं युवाओं की सुंदर लड़की से शादी करा दी जाएगी और नौकरी भी लगवाई जाएगी। लोगों को बुलाकर अपने घर पर ईसाई धर्मग्रंथों की प्रार्थना कराते थे। बाद में धर्म परिवर्तन करा देते थे। सीओ केराकत अजीत रजक ने बताया कि सभी आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जेल भेजा गया है।

यूट्यूब पर वीडियो देखकर डायरी बनाती थी रंजना

धर्मांतरण के खेल में गीता के अलावा उसकी बेटी रंजना कुमारी भी शामिल है। वह पिछले दो साल से एक डायरी बना रही है। यह डायरी धर्मांतरण के लिए काफी चर्चा में रहे भूलनडीह निवासी दुर्गा यादव और प्रीति के बनाए गए यूट्यूब वीडियो और ऑनलाइन चलने वाली प्रार्थना सभाओं को सुनकर थी।

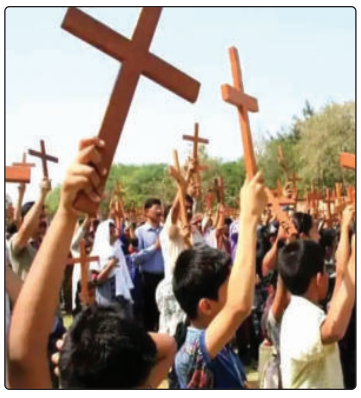

इसके बाद चंगाई को लेकर प्रार्थना कराती थी। फिलहाल, पुलिस ने रंजना को भी गिरफ्तार कर लिया है।

एएसपी सिटी आयुष श्रीवास्तव के मुताबिक पुलिस ने छापा के दौरान गीता देवी की बेटी रंजना कुमारी के पास से दो बाइबिल की किताब बरामद की गई। इसके अलावा आरोपी युवती के पास से चार रजिस्टर भी मिला है, जिस पर ईसाई धर्म के बारे में लेख लिखा हुआ है, एक भजन संग्रह ईसाई धर्म से संबंधित है।

पुलिस ने रंजना के पास से एक मोबाइल और टैब भी बरामद किया है, जिसके गैलरी स्टोरेज में ईसाई धर्म के प्रचार प्रसार व धर्म परिवर्तन संबंधित सामग्री मिले हैं। धर्मांतरण की खेल में परिवार समेत शामिल सरकी निवासी गीता देवी भी गिरफ्तार कर ली गई है, जो खुद को आशा भी बता देती थी और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तक की कहानी बताती थी। एएसपी सिटी आयुष श्रीवास्तव के मुताबिक गीता देवी के पास से एक बड़ी फोटो फ्रेम, एक छोटी फोटो फ्रेम ईसा मसीह की मिली है। फिलहाल, पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। उधर, खुद को आशा बताने वाली गीता देवी पुलिस की जांच में सरकी की आंगनबाड़ी सहायिका बता रही है।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर 'रन फॉर यूनिटी' में दौड़ा कानपुर

जिलाधिकारी ने दिलाई एकता की शपथ

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर आज प्रातः 7 बजे ग्रीन पार्क स्टेडियम में एकता के लिए दौड़ कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने हरी झंडी दिखाकर किया।इस अवसर पर जिलाधिकारी ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन राष्ट्रपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के रूप में मनाया जा रहा है। सरदार पटेल ने स्वतंत्रता के बाद देश की साढ़े पाँच सौ से अधिक रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर भारत के एकीकरण का जो ऐतिहासिक कार्य किया, वह सदा राष्ट्र के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा।

जिलाधिकारी ने कहा कि एकता के लिए दौड़ केवल एक दौड़ नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता, सामूहिकता और सामाजिक सद्भाव का प्रतीक है। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि वे 'मैं' और 'मेरा परिवार' से आगे बढ़कर समाज, शहर और राष्ट्र के लिए कार्य करें, तभी सच्चे अर्थों में एकता और अखंडता मजबूत होगी।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ भी दिलाई गई, जिसमें देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने का संकल्प लिया गया।ग्रीन पार्क स्टेडियम से प्रारंभ हुई इस दौड़ में शहर के विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालयों, प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिसकर्मियों तथा आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरा परिसर एक भारत, श्रेष्ठ भारत के नारों से गूंज उठा।

एलआईसी के क्षेत्रीय कार्यालय में सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया

'सतर्कता : हमारी साझा जिम्मेदारी' विषय पर हुआ आयोजन

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। भारतीय जीवन बीमा निगम (एल.आई.सी.) के उत्तर मध्य क्षेत्रीय कार्यालय, कानपुर में हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी सतर्कता जागरूकता सप्ताह बड़े उत्साह और अनुशासन के साथ मनाया गया। इस अवसर पर गुरुवार, 30 अक्तूबर 2025 को विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें प्रश्नोत्तरी एवं निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय प्रबंधक श्री पी. एस. नेगी ने विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए तथा सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई।

इस वर्ष केंद्रीय सतर्कता आयोग द्वारा निर्धारित विषय सतर्कता- हमारी साझा जिम्मेदारी पर आधारित इस आयोजन का उद्देश्य पारदर्शिता, ईमानदारी और नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।

निबंध प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में श्री संजय शुक्ला, श्री के. एल. गुप्ता और श्री बी. डी. रावत उपस्थित रहे। उन्होंने प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना की और कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएँ कर्मचारियों में जिम्मेदारी और निष्ठा की भावना को प्रोत्साहित करती हैं।विजेताओं को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

कार्यक्रम का सफल संचालन मुकेश कुमार रॉय, क्षेत्रीय सतर्कता अधिकारी की अध्यक्षता में हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुनील कुमार, नमीश कुमार, लोकेन्द्र सिंह, अतुल मिश्रा, वैभव शर्मा, अनिल अरोड़ा, इंद्राणी रॉय और राकेश कन्नौजिया का विशेष योगदान रहा।सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान निगम के कर्मचारियों ने ईमानदारी, निष्ठा और पारदर्शिता को जीवन एवं कार्य संस्कृति का अभिन्न हिस्सा बनाने का संकल्प लिया।

एयरपोर्ट में बैठक के दौरान किसानों ने किया प्रदर्शन

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। चकेरी एयरपोर्ट में गुरुवार दोपहर में हवाई अड्डा सलाहकार समिति की बैठक के दौरान आसपास के गांवों के तमाम किसान महिलाओं सहित गेट पर पहुंचे। वहां प्रदर्शन करते हुए उन्होंने टेनरी संचालकों और अधिकारियों पर ट्रीटमेंट प्लांट के संचालन के नाम पर खानापूरी, टेनरियों का जहरीला पानी नहर में छोड़ने, गंगा में बहाने का आरोप लगाया।जहरीले पानी की वजह से गांवों में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक के बीमार होने, जमीन में तीसरे स्टेटा तक भूगर्भ जल प्रदूषित होने की शिकायत की। प्रदर्शन का पता चलते ही समिति के चेयरमैन सांसद देवेंद्र सिंह भोले, वाइस चेयरमैन सांसद रमेश अवस्थी बैठक रोककर एयरपोर्ट के बाहर पहुंचे। किसानों ने उन्हें अपनी व्यथा बताई। बताया कि जहरीले पानी की वजह से लोगों को खुजली, चर्म रोग हो रहा है। बाल झड़ रहे हैं। लोगों की किडनी खराब हो रही है।

दिव्यांगता हो रही है। एक किसान ने अपने गल रहे हाथ दिखाए तो दूसरे ने बताया कि उसकी आंखों की रोशनी चली गई। एक ने अपनी किडनी खराब होने की बात कही। चेयरमैन ने किसानों को आश्वासन दिया कि वे उनके साथ हैं। उनकी लड़ाई लड़ेंगे। इसके बाद पुनः बैठक शुरू करते हुए अफसरों से नाराजगी जताई। कार्रवाई के निर्देश दिए।

मैदान में खेलते-खेलते बने साइबर क्राइम के खिलाड़ी

तीन साल में बना डाली लाखों की संपत्ति

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। ठगी के आरोपी विवेक शर्मा ने ठगी की रकम से 1 लाख 23 हजार का बैट और महंगी किट खरीदकर आईपीएल सीजन की तैयारी शुरू कर दी थी। वहीं, उसके साथी अनुज तोमर ने मोहाली में 30 हजार किराए का फ्लैट लिया था। पुलिस को चकमा देने के लिए वे पंजाब के सामान की बुकिंग दिल्ली में लेते थे। कानपुर में कमिश्नरी पुलिस के अधिकारियों के मुताबिक ठगी का आरोपी विवेक शर्मा शानदार विकेट कीपर और बल्लेबाज है। उसने ठगी की रकम से क्रिकेट की महंगी किटें और स्पोर्ट्स शूज खरीदे थे। एक लाख 23 हजार रुपये का बैट खरीदा था। उसी से आईपीएल के 19वें सीजन की तैयारी कर रहा था।

विवेक की तरह अनुज तोमर को भी महंगे जूते खरीदने, घूमने और खाने की पीने का शौक है। उसने मोहाली में 30 हजार रुपये में किराये पर फ्लैट लिया था। क्राइम ब्रांच की साइबर सेल ने जब उसके फ्लैट में दबिश दी तो उन्हें वहां पर महंगा म्यूजिक सिस्टम, एसी, बिग स्क्रीन और अन्य सामान नजर आए थे। यह सामान ठगी की रकम से हासिल करने की आशंका है।

पंजाब के लिए मंगाए सामान की बुकिंग लेते थे दिल्ली में

विवेक शर्मा और अनुज तोमर अधिकतर सामान ऑनलाइन मंगवाते थे। पुलिस पकड़ से बचने के लिए पंजाब के लिए मंगवाए सामान की बुकिंग दिल्ली में ही ले लेते थे। बाद में सामान को लोडर या अन्य साधनों से पंजाब के मोहाली या चंडीगढ़ के लिए भेजा जाता था। ऑनलाइन के सामान मंगवाने में अक्सर पते भी बदल दिया करते थे। कई इलेक्ट्रानिक सामान रिश्तेदारों और दोस्तों के घर पर मंगवाए थे।

घूमना-फिरना, पार्टी करने का रहा शौक

साइबर सेल के प्रभारी शिव कुमार शर्मा ने बताया कि विवेक शर्मा के पिता अग्निशमन सिलिंडर की रिफिलिंग का कार्य करते हैं। पत्नी हाउस वाइफ है। अनुज तोमर के पिता

बागपत में किसान हैं। विवेक शर्मा और अनुज तोमर को घूमना-फिरना, पार्टी करने का शौक है। दोनों महंगी गाड़ियों को बुकिंग कराकर शिमला, मनाली, जम्मू समेत देश के अन्य हिस्सों में घूमा करते थे। थार कार विवेक शर्मा के पिता के नाम पर है लेकिन उसको खरीदने में अनुज ने रुपये लगाए थे।

चंडीगढ़ और मोहाली की पुलिस ने शुरू की जांच

दिल्ली के क्रिकेटर और पंजाब के खिलाड़ी के ठगी के 35 मामलों में नाम सामने आने पर चंडीगढ़ और मोहाली की पुलिस भी सक्रिय हो गई है। उन्होंने कमिश्नरी पुलिस की साइबर सेल के साथ मिलकर आरोपियों के संभावित ठिकानों पर दबिश दी थी। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक गिरोह में अन्य लोगों के शामिल होने की संभावना है, जिसकी वजह से जांच जारी है। दिल्ली निवासी मास्टरमाइंड की तलाश भी चल रही है डीसीपी क्राइम के मुताबिक, दोनों साथ में पढ़ाई करते थे। अनुज मूलरूप से बागपत का रहने वाला है लेकिन दिल्ली में पढ़ाई करता था। दोनों सिंगापुर में नौकरी कर रहे थे। कोविड-19 संक्रमण के दौरान दोनों की नौकरी चली गई जिसके बाद दोनों भारत लौट आए। अनुज की एनसीआर में मल्टीनेशनल कंपनी में नौकरी लग गई जबकि विवेक ने अपना भविष्य बनाने के लिए क्रिकेट में प्रयास जारी रखा। वह पहले भी दिल्ली की ओर से घरेलू क्रिकेट खेला करता था। इस दौरान उसके ऊपर कर्जा होता चला गया। विवेक के घर में एक अन्य युवक किराये पर रहता था। विवेक ने बताया कि उस युवक ने उसकी कई बार पैसे देकर मदद की थी। कर्जा उतारने के लिए ठगी की प्लानिंग समझाई। अनुज बागपत में स्टेट लेवल की रेसलिंग में हिस्सा लेता था। पंजाब में भी कई प्रतियोगिताओं में शामिल हो चुका है। दोनों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

आईपीएल के लिए खरीदा 1.23 लाख का बैट

कमिश्नरी पुलिस के अधिकारियों के मुताबिक ठगी का आरोपी विवेक शर्मा शानदार विकेट कीपर और बल्लेबाज है। उसने ठगी की रकम से क्रिकेट की महंगी किट और स्पोर्ट्स शूज खरीदे थे। एक लाख 23 हजार रुपये का बैट खरीदा था।

नाम और चेहरा दोनों ज्ञात, फिर भी सिपाही को बचाने में जुटी खाकी!

छेड़खानी में सस्पेंड सिपाही के खिलाफ एफआईआर अज्ञात में दर्ज, सवालों के घेरे में पुलिसिया कार्यवाही

स्वराज इंडिया

वर्दी शर्मसार: महिला से छेड़खानी करने वाला सिपाही हुआ सस्पेंड

» गुरुदेव चौकी क्षेत्र में महिला से अभद्रता, विरोध करने पर सिपाही ने धमकाया

» कमिश्नर के आदेश पर आरोपी सिपाही निलंबित, छेड़छाड़ की धाराओं में केस दर्ज

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर में गुरुदेव चौराहा के पास बुधवार को ड्यूटी पर तैनात पीआरवी सिपाही ने महिला से अश्लील हरकत करते हुए हाथ पकड़ लिया। पीड़िता ने मौके पर ही आरोपी सिपाही को पकडक़र थाने पहुंचाया, जहां पुलिस अधिकारियों ने तत्काल प्रभाव से सिपाही को निलंबित कर दिया। लेकिन चौंकाने वाली बात यह रही कि नाम, चेहरा और पहचान सबकुछ सामने होने के बावजूद काकादेव पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अज्ञात में मुकदमा दर्ज कर दिया।

डीसीपी सेंट्रल की ओर से जारी मीडिया ब्रीफिंग में साफ कहा गया कि सीसीटीवी फुटेज में सिपाही घटना को अंजाम देता हुआ दिखाई दे रहा है। बावजूद इसके थाना पुलिस ने एफआईआर में आरोपी का नाम नहीं जोड़ा। थाना प्रभारी राजेश कुमार शर्मा ने इस पर अजीब दलील देते हुए कहा युवती ने अज्ञात में तहरीर दी थी, इसलिए नाम नहीं लिखा गया। जांच के बाद नाम खोला जाएगा।सूत्रों के अनुसार, एफआईआर दर्ज करने से पहले ही आरोपी सिपाही को बचाने की पटकथा तैयार कर ली गई थी।

यह भी आरोप है कि मुकदमे में ऐसी धाराएं लगाई गईं, जिनमें सात साल से कम की सजा है, ताकि गिरफ्तारी से बचा जा सके।गौरतलब है कि इससे पहले भी नवाबगंज थानाक्षेत्र में दीनू गैंग के एक सदस्य को भगाने के मामले में पुलिस की भूमिका सवालों में रही थी।जीटी रोड नहरिया के पास रहने वाली युवती बुधवार दोपहर करीब तीन बजे स्टांप खरीदकर लौट रही थी।

तभी गोल चौराहे पर खड़ी पीआरवी में तैनात सिपाही प्रगेश कुमार ने उसका हाथ पकड़ लिया और अश्लील हरकत की। विरोध करने पर छीनाझपटी हुई, जिससे युवती के हाथ में नाखून के निशान पड़ गए और सिपाही की वर्दी तक फट गई।घटना के बाद महिला ने थाने में शिकायत दी, लेकिन पुलिस ने कार्रवाई के नाम पर सिर्फ औपचारिकता निभाई।

पनकी में डीजल चोरी गैंग का खुलासा, एक आरोपी दबोचा गया

स्वराज इंडिया

बोलेरो-ईको से फिर शुरू हुई चोरी के डीजल की सप्लाई

» 350 लीटर चोरी का डीजल, पिकअप और उपकरण बरामद

» टिकरा निवासी अमन पाल के तार भी डीजल चोरी गैंग से जुड़े

अवैध डीजल कारोबारी अमन पाल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। पनकी थाना पुलिस ने डीजल चोरी के संगठित नेटवर्क का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी मनोज भदौरिया के निर्देशन में इंडस्ट्रियल एरिया चौकी प्रभारी लोकेश पटेल और उनकी टीम ने क्षेत्र में छापेमारी कर बड़ी सफलता हासिल की। पुलिस ने वाहन यूपी-78 एफएन 7820 से 350 लीटर डीजल, एक पिकअप, पाइप, कनस्तर और अन्य उपकरण बरामद किए। गिरफ्तार आरोपी अभिषेक तिवारी निवासी सरसौल, थाना महाराजपुर ने पूछताछ में बताया कि वह अपने साथियों के साथ ट्रकों और सड़क किनारे खड़े वाहनों से डीजल चोरी करता था। अभियुक्त पर धारा 303(2)/317(2)/61(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। सूत्रों के मुताबिक, पनकी क्षेत्र में हाल ही में जिस अवैध डीजल गोदाम पर पुलिस ने छापा मारा। उसके तार बिठूर थाना क्षेत्र के टिकरा निवासी महेंद्र पाल और उनके बेटे अमन पाल से भी जुड़े बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, अमन पाल अपनी ईको और बोलेरो कार से चोरी का डीजल खरीदकर सप्लाई करता था। बताया जाता है कि जिस वक्त पनकी पुलिस की कार्रवाई हुई, उस दौरान वह भी वहीं से माल खरीदने पहुंचा था, पर छापेमारी के दौरान कुछ लोग मौके से निकल भागे।स्थानीय सूत्रों के अनुसार, महेंद्र पाल और अमन पाल पिछले दो दशकों से अवैध डीजल कारोबार में सक्रिय हैं। यह पिता-पुत्र की जोड़ी तेल वाहक मालगाडियों से लेकर सडक़ किनारे डीजल चोरों से चोरी का तेल खरीदकर उसमें मिलावट करते हैं, और बिठूर से लेकर सफीपुर, बांगरमऊ (उन्नाव) तक इसका वितरण करते हैं।

रन फॉर यूनिटी: सरदार पटेल की जयंती पर बिल्हौर में दौड़ा उत्साह

उमड़ा जनसैलाब, नेताओं और अधिकारियों ने दौड़ में हिस्सा लिया, दिया एक भारत श्रेष्ठ भारत का संदेश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। देश की एकता और अखंडता के प्रतीक लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर शुक्रवार को बिल्हौर देशभक्ति और उत्साह के रंग में रंग गया। रन फॉर यूनिटी में सैकड़ों लोगों ने भाग लिया और सरदार पटेल के आदर्शों को नमन करते हुए 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का संकल्प लिया। सुबह आठ बजे बिल्हौर ब्लॉक परिसर में कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ, जहां सभी ने सरदार पटेल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद जैसे ही दौड़ को हरी झंडी मिली, हाथों में तिरंगा थामे सैकड़ों लोग सड़कों पर दौड़ पड़े, और देखते ही देखते पूरा कस्बा देशभक्ति के जोश से गूंज उठा। ब्लॉक परिसर से शुरू हुई यह दौड़ जीटी रोड, मुख्य बाजार, नगर पालिका, ककवन रोड चौराहा, सराफा बाजार होते हुए सुभानपुर के पास संपन्न हुई। पूरे मार्ग में देशभक्ति गीतों, एकता के नारों और झंडों की लहराती कतारों ने माहौल को देशभक्ति से सराबोर कर दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ एमएलसी अरुण पाठक ने किया। इस दौरान सांसद अशोक रावत, जिला अध्यक्ष उपेंद्र पासवान, विधायक राहुल बच्चा सोनकर और घाटमपुर विधायक सरोज कुरील विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वहीं भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति ने कार्यक्रम को भव्य रूप दिया। एमएलसी अरुण पाठक ने कहा, सरदार पटेल ने जिस दूरदृष्टि, साहस और दृढ़ता से देश को एक सूत्र में पिरोया, वह आज भी हर भारतीय के लिए प्रेरणा है। यह दौड़ उस एकता की भावना को फिर जीवंत करने का प्रतीक है। सांसद अशोक रावत ने युवाओं से देश की अखंडता और भाईचारे को बनाए रखने का संकल्प लेने का आह्वान किया। वहीं विधायक राहुल बच्चा सोनकर और जिला अध्यक्ष उपेंद्र पासवान ने कहा कि भारत की असली ताकत उसकी विविधता और एकता में है, यही हमारी पहचान है।

कार्यक्रम में एसडीएम संजीव दीक्षित, एसीपी अमरनाथ यादव, नायब तहसीलदार सीपी राजपूत, कस्बा इंचार्ज प्रेमवीर,ब्लॉक प्रमुख मनोरमा कठेरिया, भाजपा नेता प्रभाकर अवस्थी, पूर्व उपाध्यक्ष जयप्रकाश कटियार, जिला पंचायत सदस्य महमूद अली, ग्राम प्रधान रामेंद्र कटियार, नंदलाल पाल, अधिवक्ता अतुल शुक्ला, अमित तिवारी, नवले मिश्रा समेत कई भाजपा के पदाधिकारी व कार्यकर्ता एवं, बुजुर्ग, युवा मौजूद रहे।

सर्किल के सभी थानो में आयोजित हुए कार्यक्रम

इसी क्रम में बिल्हौर सर्किल के सभी पांच थानों बिल्हौर, चौबेपुर, शिवराजपुर, ककवन और अरौल में भी रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया।

प्रत्येक थाने में इंस्पेक्टरों की अध्यक्षता में पुलिस बल और स्थानीय नागरिकों ने दौड़ लगाई और हाथों में तिरंगा लहराते हुए सरदार पटेल को नमन कर राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। अरौल थाना क्षेत्र के मकनपुर में एडीसीपी के नेतृत्व में सैकड़ों लोगों ने भाग लिया। इंस्पेक्टर जनार्दन यादव ने बुके देकर एडीसीपी का अभिनन्दन किया।

सेवानिवृत्त कर्मचारी की एक्सप्रेस-वे पर मौत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर गुरुवार सुबह हुए सड़क हादसे में परिवहन विभाग के सेवानिवृत्त लिपिक की दर्दनाक मौत हो गई। घर लौटते वक्त हुई इस दुर्घटना ने पूरे गांव को शोक में डुबो दिया। जानकारी के मुताबिक, अरौल थाना क्षेत्र के खाड़ामऊ गांव निवासी महेंद्र सिंह गौतम (61)

» रोडवेज विभाग में लिपिक पद से रिटायर हुए थे महेंद्र सिंह।

प्रयागराज से रोडवेज बस द्वारा अपने घर लौट रहे थे। बताया गया कि मकनपुर के पास बस से उतरने के बाद वे पैदल एक्सप्रेस-वे पार कर रहे थे, तभी एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही महेंद्र सिंह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंचे यूपीडा कर्मियों और पुलिस ने उन्हें तत्काल पास के अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बताया जा रहा है कि महेंद्र सिंह करीब एक साल पहले रोडवेज विभाग से लिपिक पद से सेवानिवृत्त हुए थे। रिटायरमेंट के बाद वे गांव में रहकर खेती-बाड़ी देख रहे थे, जबकि उनका परिवार प्रयागराज में रहता है। थानाध्यक्ष जनार्दन सिंह यादव ने बताया कि अज्ञात वाहन की पहचान के लिए एक्सप्रेस-वे पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

सेवा का सफर पूरा, सम्मान के साथ विदा हुए दरोगा राजेश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। ककवन थाने में गुरुवार को उपनिरीक्षक राजेश यादव के सेवानिवृत्ति समारोह के अवसर पर भावुक दृश्य देखने को मिले। चार दशक की निष्पक्ष और अनुशासित सेवा पूरी कर रहे राजेश यादव को साथियों ने सम्मानपूर्वक विदा किया।

थाने में आयोजित समारोह में थानाध्यक्ष जितेन्द्र राजपूत ने कहा कि राजेश यादव विभाग के उन अधिकारियों में रहे, जिन्होंने हमेशा ड्यूटी को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। वे अपने मिलनसार स्वभाव और कार्य के प्रति समर्पण के लिए याद किए जाएंगे।

सहकर्मियों ने स्मृतियों को साझा करते हुए जितेन्द्र राजपूत को स्मृति चिन्ह और पुष्पगुच्छ भेंट किया। राजेश यादव ने भावुक होते हुए कहा कि पुलिस सेवा उनके जीवन की सबसे बड़ी पूंजी रही और साथियों का स्नेह हमेशा याद रहेगा

महिला से मारपीट, पांच के खिलाफ मुकदमा

चौबेपुर (कानपुर)। रायपुर गांव में गालीगलौज का विरोध करना एक महिला को भारी पड़ गया। दबंग पड़ोसियों ने बुधवार शाम उसके साथ जमकर मारपीट की। पीड़िता के पति की तहरीर पर पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया है।

दरअसल, गांव निवासी धर्मेंद्र गौतम की पत्नी सुनीता देवी घर के बाहर बैठी थीं। तभी पड़ोसी कपिल और विनोद किसी बात को लेकर झगड़ने लगे। जब सुनीता देवी ने आपत्ति जताई तो दोनों भड़क उठे और अपने परिजनों रानी, आरती व शकुंतला के साथ मिलकर महिला को पीट दिया। चीखपुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो आरोपी भाग निकले। थानाध्यक्ष चौबेपुर आशीष चौबे ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर कपिल, विनोद, रानी, आरती और शकुंतला के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

सम्पादकीय

सरकारी सख्ती से बंद होगा मारक खेल

शायद ही कोई दिन ऐसा जाता होगा जब कोई बुजुर्ग या आम लोग साइबर ठगी के शिकार न हुए हों। पिछले दिनों महाराष्ट्र में एक सेवानिवृत्त जज भी डिजिटल अरेस्ट स्कैम के शिकार हो गए। पिछले सप्ताह ऐसा ही एक अन्य दुखद मामला पुणे से सामने आया जब साइबरों ठगों ने एक 82 वर्षीय सेवानिवृत्त अधिकारी को डिजिटल हाउस अरेस्ट स्कैम में फंसाकर 1.19 करोड़ लूट लिए। कई दिन के मानसिक उत्पीड़न व आर्थिक क्षति से टूट गए वृद्ध की आखिर सदमे से मौत हो गई। यह विचारणीय पहलू है कि कैसे पढ़े-लिखे लोग साइबर ठगों की साजिश की गिरफ्त में आ जाते हैं। वैसे आम आदमी को साइबर ठगों व फर्जी फोन कॉल्स से बचाने के लिये पुख्ता व्यवस्था होना बेहद जरूरी है। आम लोगों की सुविधा व सुरक्षा के लिये सरकार के प्रयासों के बाद अब दूरसंचार विभाग ने मार्च 2026 में ऐसी व्यवस्था लागू करने के तैयारी की, जिसमें बिना ट्रू-कॉलर के खुद मोबाइल अवांछित फोन के प्रति सजग करेगा। नियामक संस्था ट्राई ने इस प्रस्ताव पर सहमति जतायी है। यह विडंबना ही कि जैसे-जैसे नई तकनीक आम आदमी के जीवन में सुविधा लाती है, वहीं असामाजिक तत्व उसे लूट-खसोट का हथियार बनाने में आगे निकल जाते हैं। देश में इंटरनेट सेवाओं के विस्तार और मोबाइल फोन की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि के साथ ही साइबर अपराधों में खासी तेजी आई है। जरा सी चूक होने पर लाखों लोग, साइबर धोखाधड़ी में अपने जीवनभर की पूंजी कुछ ही क्षणों में गवां देते हैं। अपराधियों का संजाल इतना विस्तृत व रहस्यमय है कि प्रवर्तन एजेंसियां जब तक उन तक पहुंचती हैं, पैसा विदेशों में ट्रांसफर हो जाता है। इस संकट का एक पहलू अनजान नंबरों से आने वाली फोन कॉल्स होती हैं, जिसके जरिये अपराधी लोगों को भ्रमित कर जीवन की जमा पूंजी लूट लेते हैं। दरअसल, संचार क्रांति के चलते तमाम सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध हुई हैं, लेकिन इस सुविधा के साथ पुरानी पीढ़ी साम्य नहीं बैठा पाती है।

अब इसी चुनौती को दूर करने के लिये दूरसंचार विभाग आम उपभोक्ता को ऐसी सुविधा देने जा रहा है, जिसमें फोन करने वाले को पहचाना जा सकेगा। फोन पर कॉल करने वाले व्यक्ति का नाम लिखा नजर आएगा। फिर व्यक्ति अपनी सुविधा अनुसार फोन कॉल्स लेना तय कर सकता है। दूरसंचार नियामक ट्राई की मंजूरी के बाद इस दिशा में तेजी से काम हो रहा है। हालांकि, फोन करने वाले व्यक्ति की जानकारी जुटाने के कई ऐप अभी भी मौजूद हैं, लेकिन उनका उपयोग कुछ ही लोग कर पाते हैं। वैसे ऐसा निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता कि ऐप द्वारा दी जाने वाली सूचना सटीक है। ऐसे में यदि दूरसंचार विभाग की कोशिश सिरे चढ़ती है तो इससे करोड़ों उपभोक्ताओं को सुरक्षा कवच मिल पाएगा। पहले इस सुविधा का लेना मांग पर आधारित था, लेकिन बाद में तय किया गया कि यह सुविधा प्रत्येक मोबाइल उपयोगकर्ता को उपलब्ध करायी जाएगी। विश्वास किया जा रहा है कि अगले साल मार्च तक पूरे देश में यह सुविधा उपलब्ध हो जाएगी। जानकारों का मानना है कि इस सुविधा से किसी सीमा तक मोबाइल के जरिये धोखाधड़ी करने वाले अपराधियों पर नकेल कसी जा सकेगी। मोबाइल उपयोगकर्ता की सजगता इसमें मददगार हो सकेगी।

बिहार के चुनाव पर नेपाली निगाहें

ज्योति मल्होत्रा

सात सीमावर्ती ज़िले बिहार के हैं, जिनके मुख्यालय की राजनीतिक गतिविधियों में नेपाल के लोगों की दिलचस्पी बनी रहती है। चुनावी सभा चाहे दरभंगा में हो, या कि मोतिहारी में, राहुल-मोदी अथवा अमित शाह को देखने नेपाल के लोग पहुंच... सात सीमावर्ती ज़िले बिहार के हैं, जिनके मुख्यालय की राजनीतिक गतिविधियों में नेपाल के लोगों की दिलचस्पी बनी रहती है। चुनावी सभा चाहे दरभंगा में हो, या कि मोतिहारी में, राहुल-मोदी अथवा अमित शाह को देखने नेपाल के लोग पहुंच ही जाते हैं। बिहार में इस तरह के 60 से 65 ज़िले हैं, जिनके भावी विधायकों, मंत्रियों, सांसदों के 'गुड बुक' में बने रहने की कवायद नेपाल में चलती रहती है।

नेपाल के मेट्रो शहर वीरगंज में प्रोफेसर भाग्यनाथ प्रसाद गुप्ता मधेस राजनीति की सुपरिचित शख्सियत में से हैं। फोन पर पूछा, कि आम नेपाली किस नुक्ते-नज़र से बिहार चुनाव को देखता है? जवाब, एक नेपाली कहावत के रूप में पेश था- 'अन्धो गाई र लंगडो गोरु' अर्थात, %अंधी गाय और लंगड़ा बैल%। ऐसी कहावत का उपयोग तब किया जाता है, जब दो असमर्थ लोग मिलकर एक दूसरे की मदद करते हैं। इस कहावत के बहुआयामी निहितार्थ हैं। संसाधनों के मामलों में नेपाल सम्पूर्ण नहीं है। जहां उसे बिहार से मदद चाहिये, मिलती है। और जब सीमा पार बिहार में मुश्किलें होती हैं, नेपाल की जनता और व्यापारी, सेवाभाव से प्रस्तुत होते हैं। 1751 किलोमीटर लंबी भारतीय सीमा नेपाल से लगती है। इनमें भारत के पांच राज्यों की सीमाएं - बिहार, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल और सिक्किम बाड़बंदी के बग़ैर हैं। सबसे लंबी सीमा बिहार की 756 किलोमीटर, और सबसे छोटी सीमा सिक्किम की मात्र 99 किलोमीटर है। बिहार के सात सीमावर्ती ज़िले- पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, मधुबनी, सुपौल, अररिया, किशनगंज हैं। नेपाल के हवाले से बहुत पुरानी कहावत इस्तेमाल होती रही, 'बेटी-रोटी का सम्बन्ध।' लेकिन, अब उसकी व्याख्या व्यापक है। बेटी-रोटी का सम्बन्ध केवल वोट बैंक तक महदूद नहीं है, विभिन्न दलों के जो प्रत्याशी खड़े होते हैं, उनके चुनावी खर्च का एक बड़ा हिस्सा नेपाल के उद्योग-व्यापार वाले वहन करते हैं। वैसे 21 विधानसभा क्षेत्र हैं, जो बिलकुल बॉर्डर लाइन पर हैं। दरअसल, बेटी-रोटी का कॉन्सेप्ट इन्हीं वजहों से शुरू होता है। लगभग हर तीसरे-चौथे परिवार की रिश्तेदारी नेपाल में दिखाई देती है। चुनांचे, जब नेपाल में चुनाव होता है, भारत वाले दोस्त, रिश्तेदार एक्टिव हो जाते हैं, उसी तरह जब भारत के इन पांच राज्यों में चुनाव होता है, नेपाल का सरोकार सामने आ जाता है।लेकिन, चुनावी दायरा 21 विधानसभा क्षेत्रों तक सीमित नहीं है। ऐसे सात सीमावर्ती ज़िले बिहार के हैं, जिनके मुख्यालय की राजनीतिक गतिविधियों में नेपाल के लोगों की दिलचस्पी बनी रहती है। चुनावी सभा चाहे दरभंगा में हो, या कि मोतिहारी में, राहुल-मोदी अथवा अमित शाह को देखने नेपाल के लोग पहुंच ही जाते हैं। बिहार में इस तरह के 60 से 65 ज़िले हैं, जिनके भावी विधायकों, मंत्रियों, सांसदों के 'गुड बुक' में बने रहने की कवायद नेपाल में चलती रहती है।दूसरा, मुस्लिम फैक्टर भी है, लगभग 80 फ़ीसद मुस्लिम आबादी तराई क्षेत्र में है, शेष 20 प्रतिशत मुसलमान मुख्यतः काठमांडू, गोरखा और पश्चिम नेपाल की पहाड़ियों तक सीमित हैं। लेकिन, जो बॉर्डर लाइन के नेपाली मुसलमान हैं, बताना अब ज़रूरी नहीं रह गया, कि बिहार में होने वाले चुनाव में वो किसकी जीत के ख्वाहिशमंद हैं। आप देख सकते हैं, चम्पारण के ढाका तथा सीमांचल के चार ज़िले पूर्णिया, कटिहार, अररिया और किशनगंज वाले अल्पसंख्यकों का राब्ता, नेपाल में एक्टिव मुसलमानों से रहता है।

सूर्योदय के देश में ताकाइची का उदय

चर्चा में चेहरा

ज्वाला सिंह दास

प्रधानमंत्री के पद पर साने ताकाइची की ताजपोशी को भारत के लिए भी सुखद संकेत माना जा रहा है। एक तो वे उन पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की अनुयायी हैं, जिनकी प्रधानमंत्री मोदी के साथ भारतीय संबंधों को लेकर बेहतर कैमिस्ट्री रही है। सदियों से दोनों देशों के रिश्ते खास रहे हैं। जापान के सत्ता शीर्ष पर पहली बार एक महिला का विराजमान होना, जापानी समाज में एक बड़े बदलाव का संकेत है। वहां स्त्री को यह सम्मान मिलने में कितना वक्त लगा, इसका अंदाज इस बात से लगाया जा सकता है कि साने ताकाइची जापान की 104वीं प्रधानमंत्री बनी हैं। वह भी ऐसे वक्त में जब देश राजनीतिक अस्थिरता के भंवर से गुजर रहा है। लगातार नेतृत्व परिवर्तन का घटनाक्रम जारी है। कुछ माह पूर्व सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी को आम चुनावों में गहरा झटका लगा था।

पार्टी संसद में बहुमत के लिए गठबंधन की राजनीति की शरण में जाने को मजबूर हुई।

बहरहाल, दक्षिणपंथी रुझान वाली साने ताकाइची जापान में आयरन लेडी के नाम से जानी जाती हैं। उनके चुनाव के बाद सड़कों में जनता का सकारात्मक प्रतिसाद उनकी लोकप्रियता का पैमाना कहा जा सकता है। वे दस बार संसद के लिए चुनी जा चुकी हैं। देश की आर्थिक सुरक्षा व लैंगिक समानता के लिए किए गए प्रयासों के लिए उन्हें सराहा जाता रहा है। कुछ वर्ष पहले एक चुनावी जनसभा में एक हमले में

मारे गए पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की शिष्या माना जाता है साने ताकाइची को। ऐसे में विश्वास किया जाता है कि वे प्रधानमंत्री बनने के बाद आबे की 'एबेनोमिक्स' की विकास नीति का ही अनुसरण करेंगी, जिसमें करों में कटौती तथा सार्वजनिक निवेश को प्राथमिकता देकर विकास को गति देने को प्राथमिकता दी जाती है। आबे के एजेंडे में भारत से बेहतर रिश्ते बनाने का संकल्प भी शामिल रहा है। दरअसल, साने ताकाइची को प्रधानमंत्री के रूप में कांटों का ताज ही मिला है। मौजूदा दौर में जापान आर्थिक चुनौतियों से गुजर रहा है। महंगाई से जनता परेशान है और जापान की मुद्रा येन के अवमूल्यन से संकट बढ़ा है। दरअसल, कोरोना संकट, वैश्विक अशांति और ट्रंप की दुनिया को हिला देने वाली आर्थिक नीतियों से जापान भी खासा प्रभावित हुआ है। चीन की आक्रामक वैश्विक नीतियों के चलते हिंद-प्रशांत क्षेत्र अमेरिका व अन्य महाशक्तियों का अखाड़ा बना हुआ है। वहीं उत्तर कोरिया की आक्रामक सामरिक नीतियों के चलते जापान में अपनी सैन्य ताकत को मजबूत करने की मांग तेज हो रही है। चारों तरफ से मिल रही सुरक्षा चुनौतियों के मद्देनजर साने ताकाइची भी जापान की सैन्य ताकत बढ़ाने के पक्ष में हैं। वे जापान की सुरक्षा के लिए रक्षा तैयारियां बढ़ाने और रक्षा खर्च को जापान के सकल घरेलू उत्पाद के दो प्रतिशत से अधिक करने की पक्षधर हैं। कई मायनों में यह कदम दशकों तक शांति पक्षधरता व सैन्य शक्ति न बढ़ाने की जापान की विदेश नीति में बड़े बदलाव का भी संकेत है। दरअसल, साने ताकाइची दक्षिणपंथी रुझान की नेता मानी जाती हैं। वे राष्ट्रीय सुरक्षा नीति से जुड़े मुद्दों से लेकर परिवार व महिलाओं के जीवन को लेकर रूढ़िवादी नजरिया रखती हैं। वे जापानी समाज में समलैंगिक विवाहों की विरोधी रही हैं। पूरी दुनिया के विकसित देशों में प्रवासियों को लेकर जिस तरह सख्त नीतियां अपनायी जा रही हैं, साने ताकाइची भी उन्हीं का अनुसरण करती हैं। वे चाहती हैं कि जापान की रीति-नीतियों का उल्लंघन करने वाले आप्रवासियों से सख्ती से निपटा जाना चाहिए।

मासूमों की खुराफात से परिजन और पुलिस के उड़ गए होश

तीन बच्चियां घूमने के लिए शहर से बाहर निकल गईं, एक बच्चे ने रची अपहरण की कहानी

» मुख्य संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर नगर में 36 घंटे के अंदर दो ऐसी घटनाएं सामने आईं जिससे कानपुर पुलिस परेशान हो गई। लेकिन समय बीतने और जांच आगे बढ़ने पर खुलासा हुआ कि दोनों घटनाएं वास्तव में अबोध शरारती बच्चों के खुराफाती दिमाग की उपज थीं । बारह वर्ष की उम्र का बच्चा स्कूल से छुट्टी होने पर सीधे घर पहुंचने के स्थान पर दोस्तों के साथ खेलने लग जाता है। घर वालों की नाराजगी और पिटाई से बचने के लिए बच्चा अपने दोस्त के साथ मिलकर खुद के अपहरण और बच निकलने की कहानी गढ़ता और सुनाता है। नतीजतन कानपुर पुलिस के सामने जबरदस्त चुनौती खड़ी हो जाती है। नाटक खत्म तो जल्द ही हो जाता है क्योंकि कहानी गढ़ने वाला कच्ची उम्र का था।

दूसरी ओर तीन बच्चियों के घूमने की चाहत कानपुर पुलिस को दिनभर हलकान करे रहती है। पुलिस तंत्र पूरा दिन कानपुर लखनऊ गोंडा तक संवाद स्थापित करने में, जांच करने में उलझा रहता है। राहत की सांस तब ले पाता है जब रात होते-होते तीनों बच्चियों स्वयं घर वापस आ जाती हैं।

स्कूल की बजाय लखनऊ पहुंची तीन किशोरियां

किदवई नगर थाना क्षेत्र के लुधौरा की रहने वाली 12 -13 वर्ष की तीन सहपाठी किशोरियां स्कूल पहुंचने के बजाय लखनऊ पहुंच गईं। इधर एक बच्ची के अभिभावक को उसके ई रिक्शा चालक मित्र ने बताया कि उसकी बेटी ऑटो से कहीं जा रही थी तो मामला पुलिस तक पहुंचा। पुलिस ने जब सीसीटीवी कैमरे खंगाले तो बच्चियां सेंट्रल स्टेशन की ओर जाती दिखीं। जांच आगे बढ़ने पर बच्चियों की फुटेज लखनऊ चारबाग स्टेशन के पास भी मिली जहां वह एक ऑटो चालक से बात करते दिखाई दीं। मुस्तैद पुलिस ने जब ऑटो नंबर के आधार पर चालक से संपर्क स्थापित किया तो उसेश ऑटो चालक ने जानकारी दी कि बच्चियां कानपुर के लिए बस की जानकारी उससे मांग रहीं थीं। रात 10 बजे तीनों सहेलियां अपने-अपने घर पहुंची तो पुलिस के साथ ही तीनों परिवारों ने भी राहत की सांस ली। बच्चियों ने बताया कि वह वैष्णो देवी के दर्शन करने की इच्छा से घर से निकली थीं लेकिन बाद में मन बदला और वापस लौट आईं।

12 बरस के कुनाल ने गढ़ी अपहरण की कहानी

गोविंद नगर कच्ची बस्ती में रहने वाला 12 बरस का कुनाल निराला नगर के चिल्ड्रेन्स पैराडाइज स्कूल में पढ़ता है। बुधवार को उसने बताया था कि स्कूल से छुट्टी के बाद वह पैदल ही घर जा रहा था। बैंक ऑफ़ बड़ौदा से पहले वैन सवार ने उसे रुमाल सुंघाकर बेहोश कर दिया था। चौधरी दुग्ध डेरी के पास होश में आने पर मौका मिलते ही वह कार का दरवाजा खोलकर भाग निकला था। पुलिस की जांच में जो तथ्य सामने आए उनसे सभी के होश उड़ गए। दरअसल बच्चा स्कूल से छुट्टी के बाद सीधे घर ना जाकर अपने दोस्तों के साथ देर तक खेलता रहा? खेल खत्म होते ही उसे अपनी गलती का एहसास हुआ और घर वालों द्वारा पिटाई किए जाने की आशंका पर उसने बचाव के लिए अपने अपहरण की कहानी गढ़ी। पहले उसने अपने दोस्त से घर वालों को फोन कर अपहरण की बात बताने को कहा लेकिन जब वह राजी नहीं हुआ तो उसने प्लान बी पर काम किया और स्वयं ही दौडक़र एक दुकान पहुंचा और दुकानदार को अपने अपहरण की कहानी बताई। हालांकि यह बच्चा सही सलामत अपने घर पहुंच चुका है।

14 घंटे की दहशत के बाद सकुशल लौटीं तीनों बच्चियां

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। किदवई नगर के लुधौरा क्षेत्र में बुधवार को उस वक्त हडक़ंप मच गया जब घर से स्कूल के लिए निकलीं कक्षा चार की तीन छात्राएं संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गईं थी। 12-12 साल की तीनों सहेलियां सुबह से गायब थीं, जिन्हें तलाशने में पुलिस और परिजन पूरे दिन परेशान रहे। गुरुवार देर रात लगभग 14 घंटे बाद तीनों सुरक्षित घर लौट आईं।जूही, बारादेवी निवासी बिजली विभाग में लाइनमैन की बेटी रोजाना मोहल्ले की दो सहेलियों के साथ पास के इंटर कॉलेज में पढऩे जाती थी।

गुरुवार सुबह तीनों साथ निकलीं, लेकिन स्कूल नहीं पहुंचीं। स्थानीय ई-रिक्शा चालक ने परिजनों को सूचना दी कि तीनों लड़कियां ऑटो में बैठकर कहीं जाती दिखीं।सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आई और सीसीटीवी कैमरों की जांच में पाया कि तीनों सेंट्रल रेलवे स्टेशन पहुंचीं और प्लेटफॉर्म नंबर एक पर दिखाई दीं। कुछ देर बाद वे उन्नाव स्टेशन पर नजर आईं, जहां उन्होंने स्कूल ड्रेस बदल ली थी। पुलिस को उनकी लोकेशन गोंडा तक मिली, जिससे हडक़ंप मच गया। किदवई नगर थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि जांच के दौरान अंतिम फुटेज लखनऊ चारबाग स्टेशन की मिली, जहां लड़कियां एक ऑटो चालक से बात करती दिखीं। चालक से पूछताछ पर पता चला कि वे कानपुर लौटने के लिए बस का रास्ता पूछ रही थीं। रात करीब 10 बजे तीनों सहेलियां झकरकटी बस अड्डे से घर पहुंचीं। घर लौटने के बाद परिवारों में खुशी की लहर दौड़ गई, वहीं पुलिस ने राहत की सांस ली। फिलहाल तीनों छात्राओं से पूछताछ कर उनके बाहर जाने के कारणों की जानकारी जुटाई जा रही है।

पति की मौत के बाद ससुरालियों ने बैंक कर्मियों की मिलीभगत से उड़ाए 33 लाख

» सेंट्रल स्टेशन से लखनऊ चारबाग तक पहुंचीं छात्राएं, सीसीटीवी फुटेज से खुला राज

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। स्वरूप नगर थाना क्षेत्र में एक महिला ने अपने पूर्व ससुरालीजनों और बैंक कर्मियों पर बड़ी धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। पीड़िता का कहना है कि पति की मौत के बाद ससुरालियों ने यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के कर्मचारियों से मिलीभगत कर उसके फर्जी हस्ताक्षर के ज़रिए ?33 लाख रुपये निकाल लिए।

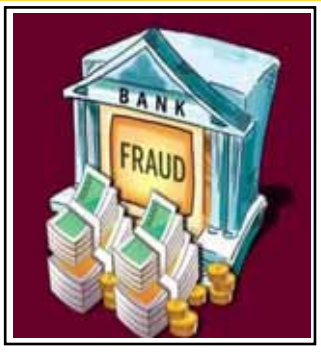

पुलिस ने कुल सात लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। किदवई नगर निवासी लवी भरतिया के मुताबिक, उनकी पहली शादी वर्ष 2015 में स्वरूप नगर निवासी रवि थरड से हुई थी। एक साल बाद ही पति की मौत हो गई। इसके बाद ससुराल पक्ष ने उनकी दूसरी शादी मुंबई के रूपम भरतिया से करवा दी।

लवी के अनुसार, जब इस साल जनवरी में वह कानपुर लौटीं और बैंक में नया खाता खुलवाने गईं, तब उन्हें पता चला कि यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, स्वरूप नगर शाखा में पहले से उनके नाम से एक पुराना खाता मौजूद है। जांच में खुलासा हुआ कि विभिन्न बीमा पॉलिसियों से करीब 33 लाख की रकम उसी खाते में आई थी, जिसे उनके फर्जी हस्ताक्षर से निकाल लिया गया और दूसरे खातों में ट्रांसफर कर दिया गया। लवी का आरोप है कि जब उन्होंने इस बारे में अपने पूर्व ससुरालीजनों से बात की, तो उन्होंने उन्हें झूठे मुकदमे में फंसाने और जान से मारने की धमकी दी। स्वरूप नगर थाना प्रभारी सूर्यबली पांडेय ने बताया कि मामले में पीड़िता की तहरीर पर सात लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज की गई है और जांच जारी है।

शिवराजपुर में चेहरे पर काटने वाले पागल कुत्ते की दहशत

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर।शिवराजपुर कस्बे में एक पागल कुत्ते के आतंक से लोगों में दहशत फैल गई है। तीन दिन के अंदर कुत्ता अब तक पांच लोगों को काटकर गंभीर रूप से घायल कर चुका है, लेकिन नगर पंचायत प्रशासन की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई है। डर का आलम यह है कि बच्चे और बुजुर्ग घरों से बाहर निकलने से डर रहे हैं।

» **चेहरे पर काटकर किया घायल, तमाम लोग घरों में कैद रहने को मजबूर**

» **अस्पताल में एंटी-रेबीज इंजेक्शन न मिलने से घायल इधर-उधर भटक रहे**

जानकारी के अनुसार, वार्ड 11 और वार्ड 5 में पागल कुत्ते ने पहले विनय बाजपेई को काटकर घायल किया। उसके बाद मंगलवार को अमन त्रिवेदी और पंकज यादव पर हमला किया गया। गुरुवार को यही कुत्ता देवकीनंदन मिश्रा पर भी झपट पड़ा और उन्हें घायल कर दिया। स्थानीय निवासी रवि ठाकुर, हरीओम यादव और धीरेंद्र

सिंह का कहना है कि यह कुत्ता सीधे चेहरे और सिर पर हमला कर रहा है, जिससे लोग गंभीर रूप से घायल हो रहे हैं। ग्रामीणों ने कई बार अधिशासी अधिकारी को सूचित किया, मगर अब तक कुत्ते को पकड़ा नहीं जा सका है। वार्ड 11 के लोगों ने बताया कि घायल लोग रेबीज इंजेक्शन लगवाने के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे, लेकिन अस्पताल में एंटी-रेबीज इंजेक्शन की उपलब्धता नहीं होने की बात कहकर उन्हें वापस लौटा दिया गया।घायल विनय बाजपेई दो दिन से इंजेक्शन के लिए परेशान हैं। वहीं, सीएचसी प्रभारी डॉ. दिलीप सचान ने बताया कि अब अस्पताल में इंजेक्शन की आपूर्ति कर दी गई है और सभी घायलों को आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया जाएगा।

अयोध्या

स्वराज इंडिया विशेष रिपोर्ट

कैंटोमेंट बोर्ड की 52 दुकानों का नहीं हुआ एग्रीमेंट, हो रही अवैध वसूली

अवैध कब्जेदारों पर मेहरबानी

» मुख्य अधिशाषी अधिकारी जिज्ञासा राज का किरायेदारों पर नोटिस

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।छावनी परिषद (कैंटोमेंट बोर्ड) अयोध्या एक बार फिर सवालों के घेरे में है। मुख्य डाकघर के सामने स्थित 58 दुकानों को लेकर भ्रष्टाचार और अवैध वसूली का गंभीर मामला सामने आया है। वर्षों पहले बोर्ड द्वारा इन दुकानों का निर्माण कराया गया था, लेकिन आज तक अधिकांश दुकानदारों के साथ किराया अनुबंध (एग्रीमेंट) नहीं किया गया। इसके बावजूद बोर्ड अधिकारियों द्वारा नियमित रूप से किराया नकद वसूला जा रहा है।

मुख्य अधिशाषी अधिकारी जिज्ञासा राज ने हाल ही में एक नोटिस जारी कर दावा किया कि 58 दुकानों में से केवल 6 का एग्रीमेंट हुआ है, बाकी दुकानदारों को दुकानें खाली करनी होंगी। सवाल यह उठता है कि जब एग्रीमेंट ही नहीं था, तो वर्षों से किराया किन नियमों के तहत वसूला गया? यह कार्रवाई कानूनी रूप से संदिग्ध मानी जा रही है। स्थानीय व्यापारियों ने आरोप लगाया है कि बोर्ड अधिकारी वैध दुकानदारों पर कार्रवाई कर रहे हैं, जबकि अवैध कब्जेदारों पर रहमदिली दिखा रहे हैं। बताया गया कि दुकान संख्या 42 के सामने जग्गू नामक व्यक्ति ने पूरी पार्किंग पर अवैध कब्जा कर लिया है। उसने वहां गुमटी रख दी है और अपने सहयोगियों के साथ पार्किंग में मिस्त्रीगिरी करते हुए गाडियों की मरम्मत करवा रहा है। इस दौरान जगह-जगह गंदे तेल के ड्रम रखे गए हैं, जिससे क्षेत्र में गंदगी फैल रही है।

बता दे कि इसके पहले पूर्व विधायक और सपा नेता पवन पांडेय ने भी कैंटोमेंट बोर्ड के भ्रष्टाचार पर सवाल

ऐसा कुछ नहीं है जैसा प्रचारित किया जा रहा है। सभी कार्रवाइयां नियमों और बोर्ड की नीतियों के अनुरूप की जा रही हैं। दुकानों से संबंधित मामलों की जांच चल रही है और किसी के साथ अन्याय नहीं किया जाएगा।

-सीईओ जिज्ञासा राज

उठाए थे और यह मुद्दा विधानसभा तक पहुंच चुका है। दुकानदारों का कहना है कि जिन दुकानों का निर्माण घटिया गुणवत्ता से हुआ था, उनका रखरखाव तक बोर्ड नहीं करता। रंग-रोगन और मरम्मत का खर्च भी दुकानदारों को खुद उठाना पड़ता है। दूसरी ओर बोर्ड केवल किराया वसूली पर ध्यान देता है

और नोटिस भेजकर व्यापारियों को मानसिक रूप से प्रताड़ित करता है। छावनी परिषद का यह पूरा मामला न केवल भ्रष्टाचार की बू दे रहा है बल्कि यह सवाल भी खड़ा करता है कि आखिर कानूनन वैध दुकानदारों को ही क्यों निशाना बनाया जा रहा है, जबकि अवैध कब्जेदार खुलेआम संरक्षित हैं।

लौह पुरुष की जयंती पर एकता के संकल्प के लिए 'रन फॉर यूनिटी'

» लौह पुरुष सरदार पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।अयोध्या में शुक्रवार को सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर एकता, अखंडता और राष्ट्रभावना को समर्पित 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में प्रदेश महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

शहर की प्रमुख सडक़ों से होकर निकली इस एकता दौड़ में भाजपा नेताओं, जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संगठनों, स्कूली बच्चों और युवा वर्ग ने बढ़-चढक़र भाग लिया। भीड़ में देशभक्ति के नारे गूंजते रहे और हाथों में तिरंगा लहराते प्रतिभागियों ने एक भारतङ्कश्रेष्ठ भारत का संदेश दिया। कार्यक्रम में पूर्व सांसद लल्लू सिंह, विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी विधायक अभय सिंह, अवधेश पांडे बादल, रोली सिंह, आलोक सिंह रोहित संजीव सिंह ,और कमलेश श्रीवास्तव सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। रन फॉर यूनिटी का समापन लौह पुरुष सरदार पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर और एकता संकल्प के साथ किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि सरदार पटेल की दूरदृष्टि और दृढ़ इच्छाशक्ति से ही आज भारत एक अखंड राष्ट्र के रूप में खड़ा है।

कोषागार विभाग में हुए घोटाले में अभी तक 15 आरोपी गिरफ्तार

» 22 नामजद आरोपियों से 1 करोड़ 23 लाख रुपये से अधिक की राशि जमा हो चुकी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

चित्रकूट। पुलिस ने कोषागार विभाग में हुए 43 करोड़ रुपये से अधिक के घोटाले के मामले में 15 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन सभी को रात में ही मेडिकल परीक्षण के बाद विशेष अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें रिमांड पर लिया गया। इस घोटाले में दस दिन पहले कोतवाली में 97 लोगों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज की गई थी, लेकिन तब कोई गिरफ्तारी नहीं हुई थी। इस बीच एक नामजद आरोपी की मौत भी हो गई थी। गिरफ्तार किए गए 15 लोगों में तीन महिलाएं भी शामिल हैं।

गिरफ्तार किए गए पेंशनभोगियों में मिथलेश उर्फ भोला, अमृतलाल, राम शिरोमणि, गौरेंद्र शिवहरे, मोहनलाल, जगतनारायण त्रिपाठी, धनपति देवी, दुर्गा प्रसाद, कमला देवी, ओम प्रकाश, संतोष कुमार मिश्रा, रामरतन, लक्ष्मी देवी, मोहनलाल (2) और जवाहर लाल शामिल हैं। घोटाले की जांच कर रही एसआईटी और जिला प्रशासन की टीम के सामने मंगलवार को 96 नामजद आरोपियों में से 25 पेश हुए। पूछताछ के दौरान सभी ने स्वीकार किया कि उनके खातों में अप्रत्याशित रूप से अधिक धनराशि आने पर वे हैरान थे। उन्होंने बताया कि विभाग के कुछ कर्मचारियों और उनके सहयोगियों ने

परिवार के सदस्यों की मदद से बैंक से पैसे निकालने में उनकी सहायता की।

पूछताछ के बाद पेंशनभोगियों का कोषागार विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों से भी आमना-सामना कराया गया। कई पेंशनभोगियों ने अधिकारियों और कर्मचारियों की पहचान कर बताया कि उन्हीं से उनकी बातचीत हुई थी। एसआईटी और जिला प्रशासन की टीमों ने मृत पेंशनभोगियों के परिजनों और रकम निकालने वालों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज भी दिखाए। वरिष्ठ कोषाधिकारी रमेश सिंह ने बताया कि जिलाधिकारी शिवशरणप्पा के निर्देश के बाद अब तक 22 नामजद आरोपियों से 1 करोड़ 23 लाख रुपये से अधिक की राशि जमा हो चुकी है। राशि जमा करने का क्रम अभी भी जारी है। पुलिस उपाधीक्षक अरविंद वर्मा ने जानकारी दी कि कर्मचारियों को आमने-सामने बैठाकर पूछताछ की गई है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच अभी जारी है

मिशन शक्ति चौपाल में बालिकाओं महिलाओं को पढ़ाया जागरूकता का पाठ

पुरुष अपनी बोली में मर्यादा और व्यवहार में संवेदना लाएं

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। बच्चों के सामने बोले गए शब्द उनके भविष्य की दिशा तय करते है। अत- मिशन शक्ति तब सफल होगा जब हर पुरुष अपनी बोली में मर्यादा और अपने व्यवहार में संवेदना लाए। यह बात सिविल बार एसोसिएशन अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता जितेन्द्र प्रताप सिंह चौहान ने मिशन शक्ति के तहत सिविलियन विदखुरी और विद्यालय विदखुरी क्षेत्र मलासा में गावों कस्बों रिश्तों में अपमानजनक मजाक भरे संबोधन से बच्चों पर पडने वाले दुष्प्रभाव पर आयोजित गोष्ठी में कही।

उन्होंने कहा कि आज गांवों और कस्बों में रिश्तों के बीच की भाषा विकृत हो रही है। गालियां, अशोभनीय मज़ाक और स्त्री के प्रति तुच्छ व्यंग्य सामान्य व्यवहार बनते जा रहे हैं। यह केवल असंस्कृति नहीं, बल्कि संवेदनशीलता की मृत्यु है। भाभी, मामी, चाची, मां बहन जैसे पवित्र रिश्तों को मज़ाक का विषय बनाना समाज की जड़ों को काटने जैसा है। हास्य वहीं तक सुंदर है जहां किसी की गरिमा आहत न हो।

समाज में शालीनता और संवेदना तभी आएगी जब हम अपने गांवों, परिवारों और रिश्तों की भाषा में सुधार लाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि कानून की धाराएँ तभी प्रभावी होती हैं जब समाज अपने नैतिक उत्तरदायित्व को समझे।श्री चौहान ने कहा कि घर की भाषा और विद्यालय का वातावरण मिलकर ही एक सशक्त समाज गढ़ते हैं इसलिए हमें यह समझना होगा कि संस्कार की शुरुआत घर की बोली से होती है। बच्चे वही बोलते हैं जो वे सुनते हैं। कहा कि हर शिक्षक को जीवन-पाठ का अध्यापक बनना चाहिए, और हर अभिभावक को केवल पालक नहीं बल्कि संस्कारों का रक्षक होना चाहिए। संदलपुर साधन सहकारी समिति अध्यक्ष विनोद कटियार ने कहा कि बच्चों की शिक्षा तभी सार्थक है जब उनके भीतर मर्यादा और संयम के संस्कार जागें। शिक्षक केवल ज्ञानदाता नहीं, बल्कि चरित्र निर्माता हैं। अभिभावक केवल पालनकर्ता नहीं, बल्कि संस्कार के प्रथम शिक्षक हैं। एआरपी अश्वनी कटियार ने कहा कि कौन-सा स्पर्श स्नेह का है और कौन-सा शोषण का। यह शिक्षा केवल पुस्तकों की नहीं, संवेदना और सजगता की पाठशाला में दी जानी चाहिए।उन्होंने इस सम्बन्ध में एक वीडियो मोबाइल से बच्चों को दिखा कर सन्देश दिया। कार्यक्रम की रूपरेखा संयोजन और संचालन शिक्षामित्र संघ अध्यक्ष महेन्द्र पाल सिंह ने किया

एसपी श्रद्धा पांडेय ने परेड की सलामी ली, अनुशासन पर दिया जोर

» परेड में टोलीवार ड्रिल करवाई, पुलिस कर्मियों को दी दिशा-निर्देश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेन्द्र पांडेय ने पुलिस लाइन पहुंचकर परेड की सलामी ली और अनुशासन व एकरूपता बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने टोलीवार ड्रिल करवाई और पुलिस कर्मियों को ड्रिल अभ्यास के दौरान की जाने वाली आवश्यक कार्यवाहियों की जानकारी दी। इसके बाद एसपी पांडेय ने क्वार्टर गारद का निरीक्षण किया। इस दौरान गारद ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों की उपस्थिति, वर्दी की स्थिति, शस्त्रों के रखरखाव और परिसर की सफाई व्यवस्था का बारीकी से अवलोकन किया।एसपी ने पुलिस लाइन के आदेश कक्ष में सभी गार्द रजिस्टरों की जांच की और गारद सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अनुशासन, तत्परता और स्वच्छता ही पुलिस बल की असली पहचान है।

जनप्रतिनिधियों की अनदेखी पर समाजसेवी आगे आए, किसानों को मिली राहत

कमलेश पाल की शिकायत पर प्रशासन ने जेसीबी से शुरू कराई नाला सफाई

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। बर्रा ठर्रा ग्राम पंचायत के कई गांवों में हुई हालिया बारिश के बाद खेतों में जलभराव से धान की फसलें खराब होने लगी थीं। नालों की सफाई न होने के कारण किसानों की पकी फसलें पानी में डूबकर बर्बाद हो रही थीं। जनप्रतिनिधियों की अनदेखी के बीच समाजसेवी कमलेश पाल ने आगे आकर समस्या का संज्ञान लिया और अधिकारियों से इसकी शिकायत की।

शिकायत पर प्रशासन ने जेसीबी मशीन से नाला सफाई कार्य शुरू कराया। रसूलाबाद विकास खंड के पहाड़पुर, देवहरेपुर, एकघरा, बारापुर, कनपटियापुर और मल्हपुर गांवों के किसानों को अब उम्मीद है कि दो-तीन दिनों में फसलों से पानी निकल जाएगा और नुकसान कम होगा। ग्रामीणों ने नाला सफाई की पहल के लिए समाजसेवी कमलेश पाल का आभार

जताते हुए कहा कि यदि समय रहते यह कदम न उठाया जाता तो अधिकांश फसलें पूरी तरह नष्ट हो जातीं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादकः** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

शांतिभंग में कक्षा 1 के छात्र का चालान

दरोगा शिवम् कुमार त्यागी की लापरवाही और करतूतों को पीएचक्यू लखनऊ ने लिया गया संज्ञान तो एसएसपी ने की कार्रवाई

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ/अलीगढ। पुलिस की संवेदनहीनता और लापरवाही समय समय पर देखने को मिलती ही रहती है , इस बार लापरवाही का गजब कारनामा देखने को मिला है। अलीगढ एसीएम न्यायालय ने कक्षा एक के छात्र को शांति भंग की धारा में पाबंद किया है। वहीं कक्षा में पढ़ने वाले इस बच्चे को 30 अक्टूबर को न्यायालय में हाजिर होने के संबंध में तलबी नोटिस जारी किया है। एसीएम न्यायालय का नोटिस जब बच्चे के घर पहुंचा तो परिवार के लोग हैरान रह गए। परिजन अब इस संबंध में अधिवक्ता की मदद ली तो पुलिस की करतूत सामने आई।

दरअसल थाना क्वार्सी इलाके में राजीव नगर निवासी हितेश चौहान निजी नर्सिंग होम में कार्यरत हैं। उनके पड़ोसी ने मामूली विवाद को लेकर उनके खिलाफ आईजीआरएस पोर्टल के माध्यम से शिकायत की थी। जिसकी जाँच हलका इंचार्ज दरोगा शिवम कुमार त्यागी को दी गई थी। हलका प्रभारी हितेश के घर पहुंच और जांच के साथ हितेश से उनके मकान के कागजात मांगे। हितेश ने कागजात देने से इनकार कर दिया और कहा कि शिकायत दरवाजे के संबंध में है। इसमें कागजात किस लिए ? यह जवाब दरोगा शिवम् त्यागी को नागवार गुज़ारा। उसने पॉवर का रुतबा दिखाकर हितेश के पुत्र कक्षा 1 के 6 वर्षीय

» 1 लाख की चालानी कार्रवाई में पाबंद करने पर दरोगा निलंबित

» न्यायालय में हाजिर होने का नोटिस मिला तो परिवार हैरान रह गया, एसीएम द्वितीय कोर्ट से करवा दी थी मासूम पर 1 लाख के मुचलके के साथ पाबंद की चालानी कार्यवाही

छात्र प्रियांशू चौहान के विरुद्ध शांतिभंग की कार्रवाई करते हुए चालानी भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 170/126 व 135 के तहत चलनी कार्रवाई कर दी और इसे न्यायालय में दाखिल कर दिया । पुलिस की लापरवाही देखिए छह वर्ष के बच्चे को 40 वर्षीय वयस्क दिखाया गया। इसी चालानी रिपोर्ट के आधार पर मासूम प्रियांशू के विरुद्ध एडीशनल सिटी मजिस्ट्रेट (एसीएम) द्वितीय के न्यायालय से एक लाख रुपये के मुचलके पर पाबंद करने का आदेश जारी कर दिया गया। 30 अक्टूबर को जब चालान की प्रति मासूम के घर पहुंची तो परिजन देख कर स्तब्ध रह गए। प्रियांशु के पिता हितेश चौहान ने कोर्ट आफीसर अधिवक्ता एसके सिंह से मदद ली , इस पर पड़ताल की गई तो पता चला रिपोर्ट थाना क्वार्सी के सब इंस्पेक्टर शिवम कुमार त्यागी ने तैयार की थी और इसे बिना सत्यापन के रिपोर्ट एसीएम कोर्ट भेज दी गई। सीओ सिविल लाइन सर्वम सिंह ने मीडिया को बताया कि दारोगा के खिलाफ जांच रिपोर्ट एसएसपी को भेज दी है। उक्त चालानी में एक बालक जो अधिकृत आयु का नहीं है उसकी भी चालानी पेश कर दी गई थी। उप निरीक्षक

चालानी कार्यवाही

अधिवक्ता एसके सिंह

द्वारा बरती गई लापरवाही के संबंध में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा संबंधित उप निरीक्षक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है तथा उनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही प्रारम्भ की गई है। नियमानुसार इसमें मुचलका निरस्तीकरण के संबंध में पत्राचार किया गया है, जिसमें आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

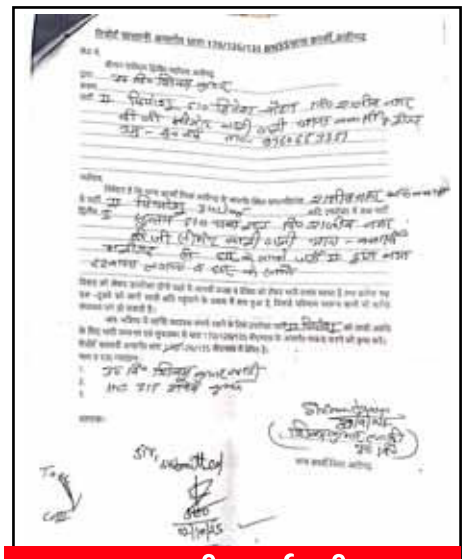

लखनऊ पीएचक्यू में लिया संज्ञान तो हुई कार्रवाई

अधिवक्ता एसके सिंह ने लखनऊ पुलिस मुख्यालय तक इस मामले में पुलिस की लापरवाही पर सवाल दागे तो जिला पुलिस हरकत में आई। सीओ प्रथम सर्वम सिंह ने कहा मामला संज्ञान में आ गया है. यह दरोगा स्तर की लापरवाही है. नाम, पता और उम्र नोट करने में गलती हुई. बच्चे की पाबंदी रिपोर्ट चली गई.ऐसी गलतियों को दोहराने से रोकने के लिए रोकने के लिए प्रावधान किए जाएंगे। आनन फानन में एसएसपी ने दरोगा को निलंबित कर दिया वहीं दरोगा के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के आदेश जारी कर दिए। अधिवक्ता एसके सिंह ने बताया कि मुवक्किल पिता हितेश चौहान और मासूम बेटे की छवि प्रभावित हुई है , बेटा कक्षा 1 का छात्र है और प्रतिष्ठित स्कूल का है। पुलिस का यह कृत्य न केवल घोर लापरवाही का है अपितु यह प्रशासनिक संवेदनहीनता को दर्शाता है।

गन्ना मूल्य का विज्ञापन अंग्रेजी अखबार में छपवाया

अखिलेश का तंज- कितने किसान इसे पढ़ पाएंगे

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी लखनऊ स्थित सपा मुख्यालय में शुक्रवार को पूर्व मुख्यमंत्री एवं सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रेसवार्ता कर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि सत्ता में आने पर सरदार पटेल के नाम पर विश्वविद्यालय बनवाएंगे। गन्ना मूल्य पर कहा कि गन्ना मूल्य में 30 रुपये से ज्यादा की वृद्धि होनी चाहिए थी। दाम में कम से कम इतनी बढ़ोतरी करें जिसमें किसान खुशहाल हो।

सपा मुखिया ने तंज कसते हुए कहा कि सरकार ने गन्ना मूल्य और भुगतान करने का विज्ञापन अंग्रेजी अखबार में छापा। बताओ कितने किसान अंग्रेजी में यह जानकारी पढ़ पाएंगे। बहराइच की गन्ना मिल बंद हो गई। जिम्मेदार किसानों का करोड़ों रुपया लेकर भाग गए। ये सब सरकार के पोषित लोग हैं। अब सरकार मंडियां बेचना चाहती है।

एसआईआर के दूसरे चरण को लेकर अखिलेश ने कहा कि हमारी मांग है कि इतनी बड़ी प्रक्रिया में जाति पर एक अतिरिक्त कॉलम शामिल किया जाए। इससे जाति जनगणना कराने, बेहतर नीति निर्माण और कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में मदद मिलेगी। मुझे उम्मीद है कि सरकार हमारे सुझाव पर विचार करेगी और उसे लागू करेगी।

कानपुर के अखिलेश दुबे की घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जितना भ्रष्टाचार इस सरकार में हो रहा है, उतना कभी नहीं हुआ। विकास दुबे की गाड़ी इसलिए पलटाई गई थी, कि कहीं सरकार न पलट जाए। अब अखिलेश दुबे को बचाया जा रहा है। जितना भ्रष्टाचार इस सरकार में है, उतना किसी सरकार में नहीं रहा। विश्वविद्यालय में किसे कुलपति बनाया जा रहा है, सभी को पता है।

भाजपा सरकार में इलाज कराना भगवान भरोसे

सपा मुखिया ने कहा कि सबसे अधिक असुरक्षित महिलाएं व बेटियां भाजपा सरकार में हैं। इस सरकार में दलित, पिछड़े मारे जा रहे हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र में कोई बहुत काम नहीं हुआ। एंबुलेंस हम लोगों ने चलवाई थीं। सरकार आने पर इनकी संख्या बढ़ाई जाएगी। आज जब भाजपा के

बड़े नेताओं को इलाज कराना होता है तो सपा सरकार में बनवाए गए मेदांता में इलाज कराने जाते हैं। इस सरकार में इलाज कराना भगवान भरोसे है।

अखिलेश ने आगे कहा कि भाजपा की मूल पार्टी आरएसएस है। सरदार पटेल ने संघ पर बैन लगाया था। शर्तों पर संघ से बैन खत्म हुआ था। भाजपा हमें दूसरी चीजों में उलझाए है। अमेरिका और चीन के लिए बाजार बेचे डाल रहे हैं। कोई स्पेन बना रहा है तो कोई क्योटो। भाजपा नकारात्मकता फैला रही है। मेरठ में जो दुकानें गिराई जा रही हैं, उसका आदेश सपा सरकार में भी था। लेकिन, हमने नहीं गिराई। भाजपा गिरा रही है।

मुख्यमंत्री को नाम बदलने का पुराना शौक

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को नाम बदलने का पुराना शौक है। यदि आपको ओसामा बिन नाम पसंद नहीं था, तो एआई से पूछते इसका हिंदी नाम बताए। यदि वह हिंदी नाम शेर सिंह बताता तो वही कर देते। धरती पर यदि किसी के साथ सबसे भेदभाव हुआ है तो वह हैं दलित। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने संघ पर बैन की बात कही है। हम उनसे सहमत हैं।

अखिलेश ने कहा कि जैट जीपीटी की मानें तो आरएसएस ने ऐसा वातावरण पैदा किया, जिससे नाथू राम गोडसे ने गांधी जी की हत्या की। भाजपा साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाली पार्टी है। मैं तेजस्वी से कहूंगा की अडानी का एक-एक रुपया वापस कर दें। 10 हजार युवाओं को नौकरी देने का शपथ पत्र लें।

गन्ने की मिठास में छिपी योगी सरकार की सियासी रणनीति

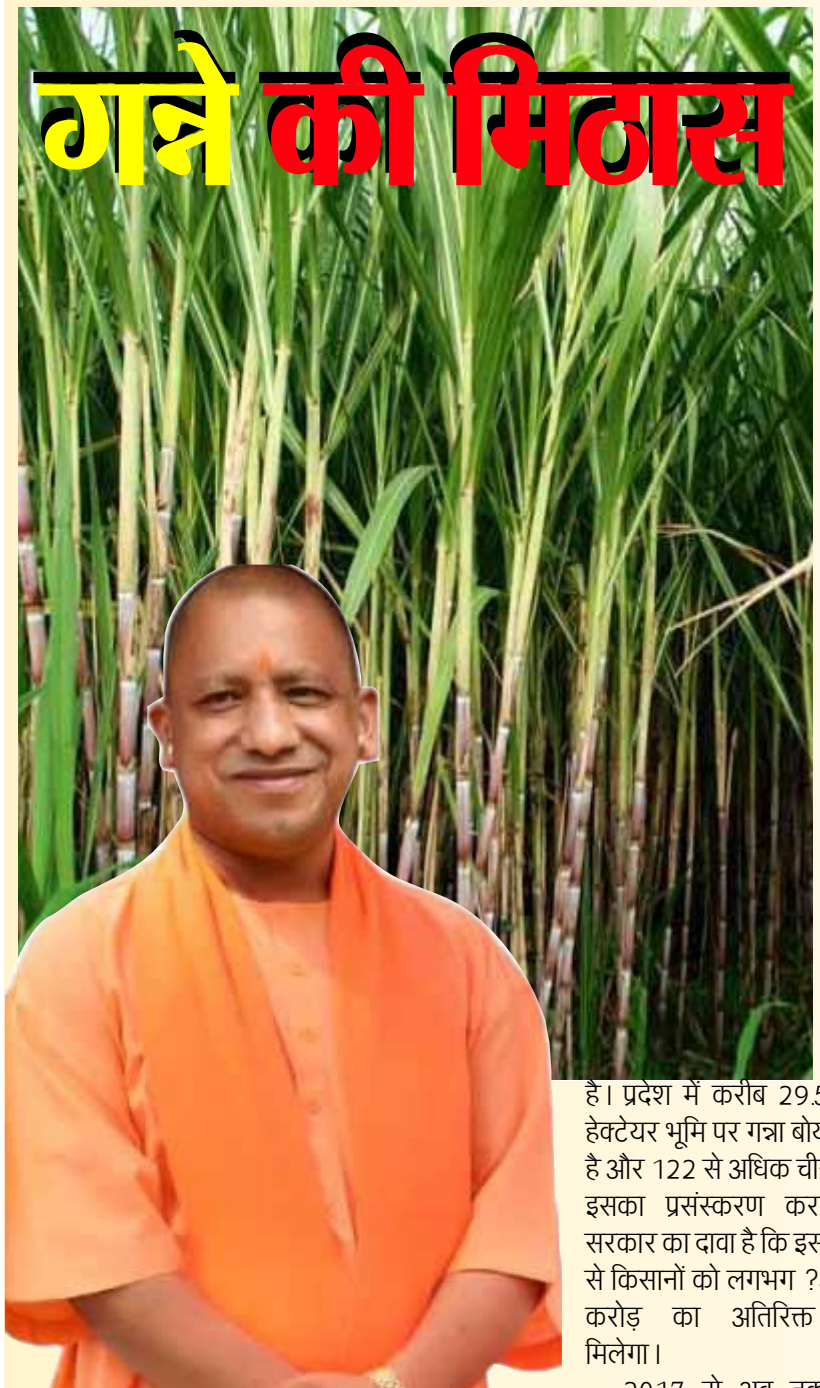

» जानकारों का कहना है कि किसानों को राहत, सहयोगियों को संतोष मिल सकती है

» गन्ने के दाम ?30 प्रति क्विंटल बढ़े , किसानों को तीन हजार करोड़ का लाभ, पश्चिमी यूपी में नए राजनीतिक समीकरणों की आहट

पश्चिमी यूपी में सियासी मिठास की गूंज

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर, बागपत, शामली, मेरठ और सहारनपुर जैसे जिलों में गन्ना किसानों की भूमिका चुनावी तौर पर बेहद अहम है। पिछले दो दशकों में देखा गया है कि सत्ता की चाबी अक्सर इन्हीं खेतों से निकलती है।मायावती, अखिलेश यादव और अब योगी आदित्यनाथ , तीनों की राजनीतिक सफलताओं में गन्ना किसानों की नाराज़गी या संतुष्टि ने अहम भूमिका निभाई है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह फैसला भाजपा के लिए पश्चिमी यूपी में खोया भरोसा लौटाने की कोशिश है। किसान आंदोलन के बाद उपजी नाराज़गी को यह निर्णय काफी हद तक शांत कर सकता है। वहीं, गन्ना मूल्य वृद्धि से भाजपा के सहयोगी दल भी उत्साहित हैं।

आरएलडी अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने कहा, योगी सरकार ने गन्ने की मिठास और किसानों की मेहनत का सम्मान किया है।

इसी तरह अपना दल (एस) और सुभासपा ने भी इस निर्णय का स्वागत किया है।

राजनीतिक रूप से यह कदम भाजपा के सहयोगियों के साथ तालमेल को और मजबूत बनाता दिख रहा है।

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने गन्ना किसानों को बड़ी राहत देते हुए अगेती प्रजाति के गन्ने का मूल्य ?400 और सामान्य प्रजाति का मूल्य ?390 प्रति क्विंटल तय किया है। यह ?30 प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी न केवल किसानों के लिए आर्थिक राहत लेकर आई है, बल्कि प्रदेश की राजनीति में भी नई हलचल पैदा कर रही है। यह फैसला उस समय आया है जब पंचायत चुनावों की तैयारी जोरों पर है और 2027 के विधानसभा चुनावों की सुगबुगाहट भी शुरू हो चुकी है।

गन्ना उत्तर प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। प्रदेश में करीब 29.5 लाख हेक्टेयर भूमि पर गन्ना बोया जाता है और 122 से अधिक चीनी मिलें इसका प्रसंस्करण करती हैं। सरकार का दावा है कि इस निर्णय से किसानों को लगभग ?3,000 करोड़ का अतिरिक्त लाभ मिलेगा।

2017 से अब तक योगी सरकार चार बार गन्ना मूल्य बढ़ा चुकी है, जिससे किसानों को लगभग 2.90 लाख करोड़ रुपये का भुगतान कराया गया है — जो पिछली दो सरकारों के संयुक्त भुगतान से भी अधिक है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि किसानों की मेहनत का हर दाना, हर बूँद हमारी प्राथमिकता है। गन्ना किसान समृद्ध होंगे तो प्रदेश समृद्ध होगा।योगी आदित्यनाथ सरकार का यह निर्णय एक साथ कई मोर्चों को साधता दिख रहा है,किसानों को राहत, सहयोगियों को संतोष और उद्योग को प्रोत्साहन।

यदि आने वाले महीनों में बकाया भुगतान समय पर होता रहा और किसान इस बढ़ोतरी का लाभ महसूस करते हैं, तो यह फैसला भाजपा के लिए पश्चिमी यूपी की राजनीति में एक निर्णायक मोड़ साबित हो सकता है।

गन्ना उद्योग में हुआ बड़ा सुधार और निवेश

योगी सरकार की गन्ना नीति सिर्फ मूल्य वृद्धि तक सीमित नहीं रही है।सरकार ने गन्ना भुगतान की निगरानी, चीनी मिलों की उत्पादन क्षमता वृद्धि और 'स्मार्ट गन्ना किसान' जैसी ऑनलाइन प्रणाली शुरू कर पारदर्शिता बढ़ाई है। अब किसानों को भुगतान सीधे डीबीटी के जरिए मिल रहा है, जिससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त हुई है।अब तक 42 चीनी मिलों की क्षमता बढ़ाई गई है, 6 बंद मिलों को पुनः चालू किया गया है और 4 नई मिलें स्थापित की गई हैं। इससे लगभग 12,000 करोड़ का निवेश और हजारों रोजगार के अवसर बने हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, राज्य में उत्पादन 41 करोड़ लीटर से बढ़कर 182 करोड़ लीटर तक पहुंच गया है।अब दो चीनी मिलों में सीबीजी संयंत्र भी लगाए जा रहे हैं ताकि गन्ने के अवशेष से जैव-ऊर्जा का उत्पादन हो सके। यह कदम किसानों को नई आमदनी के साथ ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में भी आगे बढ़ाता है।

योगी के निर्णय पर विपक्ष साध रहा अपना निशाना

विपक्षी दलों ने इस फैसले को चुनावी चाल बताया है। सपा सांसद वीरेंद्र सिंह ने कहा कि महंगाई के अनुपात में वृद्धि अपर्याप्त है, जबकि किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि दाम 400 से अधिक होना चाहिए था। हालांकि आंकड़े बताते हैं कि योगी सरकार के कार्यकाल में गन्ने का मूल्य कुल 85 प्रति क्विंटल बढ़ा है, जबकि मायावती और अखिलेश यादव की संयुक्त दस वर्ष की अवधि में यह बढ़ोतरी मात्र 65 रही थी। वहीं, हाल ही में सरकार ने फॉस्फेटिक और पोटासिक उर्वरकों पर सब्सिडी बढ़ाने का निर्णय भी लिया है। लगभग 37,952 करोड़ के बजटीय आवंटन के साथ यह कदम किसानों को सस्ती खाद और बेहतर उपज के लिए मददगार साबित होगा।

प्रदेश के 17 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मौसम ने एक बार फिर करवट ली है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने प्रदेश के 17 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इनमें चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, भदोही, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, सुल्तानपुर और अंबेडकर नगर शामिल हैं।

» पूर्वी उत्तर प्रदेश में मौसम हुआ सक्रिय, कई जगह गरज-चमक के साथ वर्षा की संभावना

मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिणी हवाओं से मिल रही नमी और पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से प्रदेश में बारिश की गतिविधियाँ तेज हो गई हैं। पूर्वांचल और विंध्य क्षेत्र में आज और कल गरज-चमक के साथ भारी बारिश होने की संभावना है।

आईएमडी लखनऊ केंद्र ने बताया कि कई जिलों में बिजली गिरने और तेज हवाओं का भी अनुमान है।

लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। खुले स्थानों पर खड़े न हों और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को सुरक्षित

रखें।बारिश से तापमान में गिरावट आने की उम्मीद है, जिससे उमस और गर्मी से राहत मिलेगी। खेतों में नमी बढ़ने से धान कटाई और रबी फसलों की बुआई पर भी सकारात्मक असर पड़ सकता है। हालांकि, जिन इलाकों में जल निकासी कमजोर है, वहां जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन को अलर्ट कर दिया गया है।मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, यह बारिश का सिलसिला अगले दो दिनों तक जारी रह सकता है।

सावधानी और राहत दोनों साथ

गरज-चमक के दौरान खुले स्थानों से बचें।

खेतों और बिजली के खंभों के पास जाने से परहेज़ करें।

मौसम विभाग से अपडेट देखकर ही कामकाज या यात्रा पर निकलें

अयोध्या नगर निगम में अंगद के पांव की तरह जमे अफसरों का साम्राज्य

स्थानांतरण नीति बनाम अयोध्या नगर निगम की हकीकत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।उत्तर प्रदेश सरकार हर वर्ष स्थानांतरण नीति जारी करती है ताकि किसी भी विभाग में पारदर्शिता बनी रहे, और एक ही जगह वर्षों से जमे अधिकारी अपने 'जाल' न बुन पाएं। वहीं अयोध्या नगर निगम इसका अपवाद बन चुका है। यहां शासनादेशों की स्याही सूखती नहीं कि अफसरों की कुर्सियां और मजबूत हो जाती हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार ने 6 मई 2025 को नया शासनादेश जारी कर साफ कहा था जो अधिकारी/कर्मचारी तीन वर्ष से अधिक एक ही स्थान पर कार्यरत हैं, उनका स्थानांतरण किया जाएगा, पर अयोध्या नगर निगम में शासनादेश की यह बात अब मजाक बन चुकी है। नगर निगम के कई अधिकारी चार से लेकर आठ वर्ष तक एक ही पद पर विराजमान हैं। सूत्र बताते हैं कि इन अधिकारियों ने विभाग में न केवल सिस्टम को हाईजैक कर लिया है, बल्कि टेण्डर, बिल पासिंग से लेकर नियुक्ति तक पर अपना नेटवर्क कायम कर लिया है।

स्वराज इंडिया एक्सक्लूसिव

इनमें से कई नाम ऐसे हैं जिनके खिलाफ कई शिकायतें पहले भी शासन तक पहुंची, पर हर बार 'ऊपर से दबाव' में फाइलें ठंडे बस्ते में चली गईं। नगर निगम के ठेकों में एक फिक्स सर्किल की चर्चा आम है जहां बोली से पहले ही तय होता है कि कौन ठेकेदार जीतेगा और कौन फेल होगा। सूत्रों के मुताबिक कुछ अधिकारी स्थानीय जनप्रतिनिधियों के करीबी बन चुके हैं। इनके राजनीतिक बैकअप के कारण ट्रांसफर लिस्ट बनते-बनते फंस जाती है। फाइलें लखनऊ तक पहुंचती हैं, पर आदेश जारी नहीं होते। कई नगर निगम कर्मियों ने नाम न बताने की शर्त पर बताया साहब का अयोध्या में इतना पुराना नेटवर्क है कि फाइलें ऊपर पहुंचने से पहले ही ठंडी पड़ जाती हैं। जब तक बड़े अधिकारी खुद रुचि न लें, कोई नहीं हटा सकता। शहर की सफाई व्यवस्था चरमराई हुई है, विकास कार्यों में टेंडर घोटालों की गंध है, और नगर निगम के अंदर सेवा नहीं बल्कि सेटिंग का बोलबाला है। जनप्रतिनिधियों तक को इन अधिकारियों की मनमानी झेलनी पड़ रही है।

» लोगों का कहना है कि शासनादेश ठंडे बस्ते में चला गया, भ्रष्टाचार चरम पर

यह अफसर वर्षों से जमे पड़े

1. गुरूप्रसाद पांडेय, सहायक नगर आयुक्त (4 वर्ष से अधिक)
2. राकेश कुमार सिंह, सहायक लेखा अधिकारी (लगभग 8 वर्ष)
3. राजपति यादव, सहायक अभियंता सिविल (4 वर्ष)
4. विजयेन्द्र वर्मा, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक (7 वर्ष)
5. अन्नू जायसवाल, अवर अभियंता (8 वर्ष)
6. शशिकला चौधरी, अवर अभियंता (4 वर्ष)

गुरु प्रसाद पांडेय सहायक नगर आयुक्त नगर निगम अयोध्या

सीएमओ अयोध्या के खिलाफ जांच के आदेश

» शासन ने गठित की तीन सदस्यीय कमेटी, एक हफ्ते में मांगी रिपोर्ट

सीएमओ डॉ0 सुशील बनियान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।रुदौली विधायक रामचंद्र यादव की गंभीर शिकायत पर शासन ने आखिरकार कार्रवाई की है। स्वास्थ्य विभाग में भ्रष्टाचार और उत्पीड़न के आरोपों के बीच मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) अयोध्या के खिलाफ जांच के आदेश जारी कर दिए गए हैं। विशेष सचिव आर्यका अखौरी ने इस मामले में तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की है जिसमें निदेशक पैरामेडिकल, अपर निदेशक कार्मिक और अपर निदेशक चिकित्सा एवं परिवार कल्याण अयोध्या मंडल शामिल हैं। समिति को एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। पर सवाल वही पुराना है क्या यह जांच इलाज करेगी या औपचारिक इंजेक्शन बनकर रह जाएगी?

बता दे कि विधायक रामचंद्र यादव का आरोप है कि सीएमओ के कार्यालय में सेवा नहीं, सेवा शुल्क चलता है। कर्मचारियों और अधिकारियों का उत्पीड़न, निजी नर्सिंग होम्स से हर माह मोटी वसूली यह अब विभाग का अनलिखा नियम बन चुका है। यह भी कहा जा रहा है कि फाइलें बिना ग्रीसिंग डोज़ के आगे नहीं बढ़तीं। अब जबकि शासन ने जांच के आदेश दिए हैं, तो अफसरशाही में हलचल तो है, मगर भरोसा नहीं।

क्योंकि यह वही सिस्टम है जहां सत्यापन का मतलब होता है कागज ठंडे होने तक इंतज़ार करो। अयोध्या का स्वास्थ्य विभाग अब 'सेवा भवन' नहीं, सेटिंग भवन कहा जाने लगा है। नर्सिंग होम खोलना हो, लाइसेंस रिन्यू करवाना हो या पदस्थापन रोकना हर काम की अपनी दर तय है। लोगों का कहना है कि जहां स्वास्थ्य की रक्षा करने वाले ही भ्रष्टाचार के वाहक बन जाएं वहाँ बीमारी नहीं, पूरा सिस्टम संक्रमित होता है।

दलित बेटी पर धर्म परिवर्तन का दबाव, सियासत की चुप्पी!

» पड़ोसी युवक ने घर में घुसकर छेड़छाड़, बलात्कार के प्रयास और धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया

» सियासत की चुप्पी और संत समाज का गुस्सा, सडक़ पर उतरकर सपा सांसद का खुलकर विरोध करेंगे

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। सोहावल तहसील क्षेत्र के ग्राम बेगमगंज मोइया कपूरपुर में घटी दिल दहला देने वाली वारदात ने पूरे जिले को झकझोर दिया है। दलित परिवार की बेटी रीमा (नाम परिवर्तित) के साथ पड़ोसी जावेद मोहम्मद ने रात में घर में घुसकर छेड़छाड़, बलात्कार के प्रयास और जबरन धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया।

रीमा ने जब विरोध किया, तो आरोपी बोला या तो मुसलमान बनो और शादी करो, नहीं तो जान से मार दूंगा। युवती के शोर मचाने पर परिवार और ग्रामीणों ने आरोपी को पकडक़र पुलिस के हवाले कर दिया। मामले की गूंज अब अयोध्या के धार्मिक और सामाजिक संगठनों तक पहुंच चुकी है।इस घटना पर श्री आदित्यनाथ गौ सेवा समिति के संरक्षक राजेश सिंह मानव संत दास ने रोष व्यक्त किया है। उन्होंने कहा दलितों के नाम पर राजनीति करने वाले संगठन और नेता कहाँ हैं अब? जब एक दलित बेटी के सम्मान पर हमला हुआ, तब फैज़ाबाद के सांसद अवधेश प्रसाद, भीम आर्मी और बसपा जैसी पार्टियां खामोश क्यों हैं? उन्होंने सवाल उठाया कि जो खुद को दलितों का मसीहा बताते हैं, वे अब इस जिहादी कृत्य पर मौन साधे हुए क्यों हैं?

मानव संत दास ने चेतावनी दी अगर जल्द ही सांसद अवधेश प्रसाद और दलित संगठनों ने इस बेटी के पक्ष में आवाज़ नहीं उठाई, तो श्री आदित्यनाथ गौ सेवा समिति के कार्यकर्ता सडक़ों पर उतरकर सपा सांसद का खुलकर विरोध करेंगे।यह घटना सिर्फ अपराध नहीं, बल्कि जाति और धर्म दोनों पर दोहरा प्रहार है। एक तरफ दलित समाज की बेटी के साथ बलात्कार का प्रयास, दूसरी ओर जबरन धर्म परिवर्तन का दबाव और इन सबके बीच, सियासी चुप्पी का कफन। गांव के राजकुमार, जो मंदिरों में राजगीरी कर परिवार पालते हैं,आज पुलिस थानों और तहसील दफ्तरों के चक्कर लगा रहे हैं। मुकदमा दर्ज है, पर इंसाफ की रफ्तार वही पुरानी धीमी, थकी और संवेदनहीन। जब राजनीति धर्म और जाति के नाम पर वोट मांगती है, तब इंसाफ की आवाज़ अक्सर सत्ता के शोर में गुम हो जाती है।

लौह पुरुष ने कहा था- देश की अखंडता संग खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं: सीएम योगी

रन फॉर यूनिटी का शुभारंभः कहा- पटेल के आदर्शों को आचरण में लाना ही सच्ची श्रद्धांजलि

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लखनऊ में 'भारत रत्न' सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर आयोजित 'रन फॉर यूनिटी' का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और कहा कि भारत की अखंडता और एकता के लिए जिन्होंने अपना जीवन समर्पित किया, उन लौह पुरुष सरदार पटेल को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब हम उनके आदर्शों को अपने आचरण में उतारें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल का जीवन, समर्पण और त्याग आज भी हर भारतीय के लिए प्रेरणास्रोत है। आइए, इस राष्ट्रीय एकता दिवस पर हम संकल्प लें कि जाति, भाषा, धर्म और क्षेत्र से ऊपर उठकर भारत की एकता और अखंडता को सुदृढ़ बनाएंगे। उन्होंने कहा भारत की अखंडता के साथ कोई खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2014 से ही देश में उन महान सपूतों को सम्मान देने की परंपरा शुरू हुई है, जिन्होंने भारत को एक सूत्र में बांधने का कार्य किया। उन्होंने बताया कि आज पूरे देश में 600 से अधिक स्थानों पर 'रन फॉर यूनिटी' के माध्यम से युवाओं में राष्ट्रभक्ति और एकता की भावना को प्रबल करने का यह अभियान चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी भारतीय परंपरा में कहा गया है कि शिवो भूत्वा शिवं यजेत, अर्थात जिसे हम पूजते हैं, उसके अनुरूप हमें स्वयं को ढालना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल भाषणों में नहीं, बल्कि व्यवहार में भी एकता और अखंडता के मूल्यों को अपनाना ही सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केवड़िया (गुजरात) में 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के रूप में सरदार पटेल की स्मृति को जीवंत बनाया गया है, जो आज राष्ट्रीय प्रेरणास्थली बन चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरदार पटेल ने स्वतंत्रता के बाद ब्रिटिश साजिशों को नाकाम करते हुए 563 रियासतों को भारत गणराज्य में शामिल कर अखंड भारत का निर्माण किया। उन्होंने कहा कि जब हैदराबाद और जूनागढ़ की रियासतों ने भारत में विलय से इनकार किया, तब लौह पुरुष ने पहले संवाद का रास्ता अपनाया, लेकिन जब राष्ट्र की अखंडता पर संकट आया, तब उन्होंने कठोर निर्णय लेकर भारत की एकता को सुरक्षित किया।

केवड़िया जाएगा सांस्कृतिक दल

मुख्यमंत्री ने बताया कि सरदार पटेल की 150वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में उत्तर प्रदेश से एक सांस्कृतिक दल और हस्तशिल्पियों का प्रतिनिधिमंडल केवड़िया जाएगा। राज्यपाल महोदया के नेतृत्व में 12 नवंबर को केवड़िया में सरदार पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित करने का कार्यक्रम आयोजित होगा।

यूपी में कर्मचारियों का छह व 11 नवंबर को रहेगा अवकाश

बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान योगी सरकार ने एक अहम निर्णय लिया है। बिहार के विधानसभा चुनाव के लिए छह नवंबर और 11 नवंबर को होने वाले मतदान में शामिल होने के लिए यूपी में नौकरी कर रहे बिहार के निवासियों को अवकाश दिया जाएगा। सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से इस संबंध में आदेश जारी कर दिए गए हैं। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर जारी किए गए आदेश में कहा गया है कि नियोक्ता या संस्थान प्रमुख छुट्टी के दिन का वेतन नहीं काट सकेंगे। इस निर्णय का उद्देश्य है कि बिहार के मतदाता बिना किसी कार्यगत बाधा के लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग ले सकें।

22 देशों के राजदूत लखनऊ में तलाशेंगे निवेश की संभावनाएं!

यूपी में ग्लोबल डिप्लोमेसी का महासंगम

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में शुक्रवार से लेकर रविवार तक एक कूटनीतिक और व्यावसायिक समागम देखने को मिलेगा। प्रदेश के इतिहास में यह पहली बार है जब 22 देशों के कुल 48 राजदूतों और राजनयिक प्रतिनिधियों का इतना बड़ा समूह एक साथ निवेश की संभावनाओं को तलाशने के लिए यहां इकट्ठा हुआ है।

इस तीन दिवसीय दौरे का मुख्य उद्देश्य उत्तर प्रदेश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (स्रष्ठद्ब) की संभावनाओं को समझना और वैश्विक निवेशकों के लिए प्रदेश के दरवाजे खोलना है। राज्य सरकार ने अपनी औद्योगिक नीतियों और ब्रांडिंग के प्रदर्शन के लिए इन्वेस्ट यूपी को इस पूरे आयोजन की जिम्मेदारी सौंपी है। प्रतिनिधिमंडल राज्य सरकार की नई औद्योगिक नीतियों और विशेष रूप से तैयार की गई एफडीआई नीति की बारीकियों को समझेंगे, जिससे वे अपने देशों के व्यवसायों को यूपी में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित कर सकें।

युवा कौशल और तकनीकी दक्षता परखेंगे विदेशी मेहमान

विदेशी राजनयिकों के इस दौरे को केवल सांस्कृतिक भ्रमण तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि प्रदेश की आधुनिक क्षमता और युवा शक्ति का प्रदर्शन भी इसका एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। प्रतिनिधिमंडल लखनऊ में स्थित प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों और तकनीकी केंद्रों का दौरा करेगा। इनमें प्रमुख रूप से आईआईएम लखनऊ और एचसीएल सिटी शामिल हैं। इन दौरों के माध्यम से राजदूत यहां के युवा कौशल, प्रबंधन की क्षमताओं और उन्नत तकनीक के माहौल को करीब से परखेंगे। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय का भ्रमण भी कार्यक्रम में शामिल है, जहा वे उत्तर प्रदेश में इंजीनियरिंग और तकनीकी शिक्षा के स्तर का जायजा लेंगे। राज्य सरकार इन राजनयिकों को यह विश्वास दिलाना चाहती है कि प्रदेश में न केवल पर्याप्त ज़मीन और संसाधन हैं, बल्कि एक कुशल, प्रशिक्षित और तकनीकी रूप से सक्षम कार्यबल भी मौजूद है, जो वैश्विक मानकों पर खरा उतर सकता है।

अब निजी हाथ में होगी गोमती नगर रेलवे स्टेशन की कमान

लखनऊः मॉल और एसी लाउंज वाला प्रदेश का पहला प्राइवेट-ऑपरेटेड स्टेशन

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। राजधानी लखनऊ का गोमतीनगर रेलवे स्टेशन अब उत्तर प्रदेश का पहला ऐसा रेलवे स्टेशन बनने जा रहा है, जिसकी कमान एक निजी एजेंसी संभालेगी। यह एक ऐतिहासिक कदम है जो देश में रेलवे स्टेशनों के संचालन के तरीके में एक बड़ा बदलाव लाएगा। इस स्टेशन को विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस करने के पहले चरण का काम पूरा हो चुका है, और अब इसे अमौसी एयरपोर्ट की तर्ज पर विकसित किया जा रहा है।

पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के तहत आने वाले इस स्टेशन पर ट्रेनों का संचालन और सुरक्षा की मुख्य जिम्मेदारी तो रेलवे के पास ही रहेगी, लेकिन स्टेशन की अधिकांश यात्री सुविधाओं और रखरखाव का काम निजी हाथों में सौंपा जाएगा। रेलवे भूमि विकास प्राधिकरण (आरएलडीए) जल्द ही एक निजी एजेंसी के चयन के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू करेगा। यह निजीकरण टिकटिंग सेवाओं, स्टेशन की सफाई व्यवस्था, फूड प्लाजा के संचालन, पार्किंग प्रबंधन और स्टेशन के व्यापक रखरखाव जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं को कवर करेगा। इस पहल का मुख्य उद्देश्य यात्रियों को उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएं प्रदान करना और स्टेशन के वाणिज्यिक विकास को अधिकतम करना है, जिससे यह स्टेशन न केवल यात्रियों के लिए सुविधाजनक बने, बल्कि रेलवे के लिए एक राजस्व मॉडल के रूप में भी उभरे। यह मॉडल सफल होने पर इसे प्रदेश के अन्य प्रमुख स्टेशनों पर भी लागू किया जा सकता है।

प्रीमियम ट्रेनों को शिफ्ट करने की योजना, आधुनिक सुविधाएं

गोमतीनगर रेलवे स्टेशन के निजी संचालन के साथ ही, इसे लखनऊ के मुख्य ट्रेन संचालन केंद्र के रूप में विकसित करने की भी योजना है। वर्तमान में लखनऊ जंक्शन से चलने वाली कई प्रीमियम ट्रेनों को गोमतीनगर स्टेशन पर शिफ्ट किया जाएगा। इन ट्रेनों में पुष्पक एक्सप्रेस, तेजस एक्सप्रेस, शताब्दी एक्सप्रेस और डबलडेकर एक्सप्रेस जैसी महत्वपूर्ण ट्रेनें शामिल हैं। इन ट्रेनों को यहां शिफ्ट करने से लखनऊ जंक्शन पर होने वाले भीड़भाड़ और परिचालन दबाव को कम करने में मदद मिलेगी।

यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए स्टेशन पर कई एयरपोर्ट जैसी सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। यात्रियों की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए एक विशिष्ट प्रणाली लागू की जाएगी, जिसके तहत आगमन फर्स्ट फ्लोर से होगा, जबकि निकासी ग्राउंड फ्लोर से की जाएगी। स्टेशन पर एक भव्य मॉल, आधुनिक एसी लाउंज, और विभिन्न प्रकार के व्यंजनों वाला फूड प्लाजा भी होगा। इसके अलावा, यात्रियों और उनके वाहनों के लिए 775 वाहनों की क्षमता वाली एक बड़ी पार्किंग की व्यवस्था भी की जा रही है, जिससे यात्रियों को पार्किंग की समस्या से जूझना न पड़े।

आरपीएफ प्लेटफॉर्म तक, निजी गार्ड एरिया संभालेंगे

ट्रेनों के संचालन और यात्रियों की सुरक्षा की मुख्य जिम्मेदारी रेलवे की ही रहेगी। रेलवे सुरक्षा बल की भूमिका अब प्लेटफॉर्मों तक और ट्रेनों के अंदर जांच तक सीमित रहेगी। दूसरी ओर, निजी सुरक्षा गार्डों की तैनाती स्टेशन के आगमन और प्रस्थान क्षेत्रों के साथ-साथ सरकुलेटिंग एरिया में की जाएगी। निजी एजेंसी यह सुनिश्चित करेगी कि स्टेशन के भीतर सभी व्यावसायिक और गैर-परिचालन क्षेत्रों में उच्च-स्तरीय सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखी जाए।